Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

शनिवार | 21 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 220 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 83919.71
निफ्टी 25800.60

सर्राफा बाजार

सोना 1,26,565.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,75,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

सहालग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

आगरा। देवोत्थान एकादशी के साथ शुक्रवार से शादी-विवाह का सहालग शुरू हो गया है। इसके चलते आगरा के सराफा बाजार में रौनक बढ़ने लगी है। शादी के सीजन में सोने और चांदी के आभूषणों की मांग बढ़ने के साथ ही ग्राहक खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में धर्म परिवर्तन की 15 शिकायतें

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों को लेकर विधानसभा में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। राज्य में वर्ष 2023 से 1 नवंबर 2026 तक मतांतरण से संबंधित कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों के आधार पर पुलिस और संबंधित एजेंसियों ने कार्रवाई की है।

आजम के तंज से गरमाई यूपी की सियासत

लखनऊ। आजम खां की जेल से रिहाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीतिक बिसात पर नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है। ओवैसी की सक्रियता के बीच आजम के बयानों को सपा के सियासी भविष्य से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल आजम ने अपने चिरपरिचित तीखे तेवर नहीं दिखाए, बल्कि हैदराबादी बिरयानी का जिक्र कर ओवैसी पर हल्का तंज कसा है। सियासी गलियारों में इसे अब हैदराबादी बिरयानी बनाम आजम के पुलाव की नई जंग के रूप में देखा जा रहा है।

मां को अंतिम विदाई देते छलक पड़े योगी आदित्यनाथ के आंसू

- प्रख्यात संत और मुख्यमंत्री बेटे का दर्द देख भावुक हुआ हर दिल
- बेदाग़ सल्तनत के कठोर सम्राट का नरम दिल देख रो पड़ी देवभूमि

यूथ इंडिया, उत्तराखंड



शरद कटियार

सत्ता, जिम्मेदारी और सार्वजनिक जीवन में अक्सर अपने भावों को दृढ़ता के पीछे छिपाकर रखने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मां के बिछड़ने के दुख के सामने खुद को संभाल नहीं सके। मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। यह दृश्य केवल एक मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि अपनी मां को खो चुके एक बेटे की पीड़ा का था।

मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देने के लिए योगी आदित्यनाथ जब उनके पार्थिव शरीर को कंधा देने आगे बढ़े तो माहौल गमगीन हो गया। मां को अंतिम बार विदा करते समय उनके चेहरे पर असहनीय पीड़ा साफ दिखाई दी। परिवार के बीच खड़े योगी आदित्यनाथ की आंखों से बहते आंसू उस भावनात्मक रिश्ते की गहराई बयां कर रहे थे, जिसे शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। वेदर सल्तनत के कठोर हुक्मरान का नरम दिल और छलकते आंसू देख मानो देवभूमि ही रो पड़ी,कायनात उनके दुख को देख सिहर उठी।

मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए हरिद्वार स्थित चंडीघाट श्मशान घाट ले गया। इस दुखद घड़ी में परिवार के सदस्यों और मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

एक ओर उत्तर प्रदेश के करोड़ों लोगों की जिम्मेदारी संभालने वाला मुख्यमंत्री, जिसके फैसलों से प्रदेश की दिशा तय होती है, वहीं दूसरी ओर मां के आंचल से हमेशा के लिए वंचित हो गया एक बेटा। पद, प्रतिष्ठा और सत्ता की सारी सीमाएं उस समय छोटी पड़ जाती हैं, जब सिर से मां का साया उठ जाता है।

मां का जाना जीवन की ऐसी रिक्तता है, जिसे कोई पद, कोई उपलब्धि और कोई संपत्ति कभी भर नहीं सकती। मां की गोद, उनका स्नेह और उनका आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

योगी आदित्यनाथ के आंसुओं में एक बेटे का दर्द दिखाई दिया। यह दृश्य याद दिला गया कि दुनिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाला इंसान भी अपनी मां के सामने सिर्फ एक बेटा होता है।

मां का साया उठ जाना ऐसा दुख है, जिसे महसूस तो किया जा सकता है, लेकिन शब्दों में कभी पूरी तरह बयां नहीं किया जा सकता।

चुनौती को चुनौती दिए बिना नहीं रह सकता: पीएम मोदी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। अपने दौरे की शुरुआत उन्होंने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर स्थित आईआईटी के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल होकर की। इस दौरान उन्होंने देश की तकनीकी प्रगति, शिक्षा, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज हर क्षेत्र में नई चुनौतियों को स्वीकार कर रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ÷मैं चुनौती को चुनौती दिए बिना रह नहीं सकता।÷ उन्होंने सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर तकनीकी विकास तक देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

पीएम मोदी ने गरीबी उन्मूलन और देश के विकास से जुड़ी उपलब्धियों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास देश के हर नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाना है। युवाओं की प्रतिभा, वैज्ञानिक सोच और तकनीकी क्षमता को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए उन्होंने नए आविष्कारों और अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

आईआईटी खड़गपुर के कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री बिहार के वैशाली जाएंगे, जहां वे विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देंगे। इसके बाद उनका उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री का यह दौरा तीन राज्यों में शिक्षा, तकनीक और बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सैफई सिंडिकेट का मनीफेस्टो जारी करने वाले हैं अखिलेश: ओपी राजभर

यूथ इंडिया, लखनऊ



सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के प्रस्तावित चुनावी घोषणापत्र को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने घोषणापत्र को लेकर तंज कसते हुए इसे 'मनीफेस्टो' करार दिया और अखिलेश यादव की राजनीतिक कार्यशैली पर सवाल उठाए।

ओपी राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव जनता के हितों के बजाय अपने राजनीतिक परिवार और करीबी लोगों के हितों को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव अपने 'सैफई सिंडिकेट' का पूरा मनीफेस्टो तैयार कर रहे हैं। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है।

कैबिनेट मंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को अपने चुनावी वादों और राजनीतिक नीतियों को लेकर जनता के सामने जवाब देना चाहिए। उन्होंने सपा नेतृत्व पर कटाक्ष करते हुए आगामी चुनावों को लेकर पार्टी की तैयारियों पर भी सवाल खड़े किए।

1962 की हार पर माफी मांगे कांग्रेस: किरेन रिजिजू

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को लेकर निशाना साधे जाने के बाद भाजपा ने उन पर पलटवार किया है। राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संभावित त्रिपक्षीय बैठक का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पर सवाल उठाए थे।

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी को प्रधानमंत्री पर सवाल उठाने से पहले वर्ष 1962 में चीन के साथ हुए युद्ध में भारत की हार को लेकर देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के पुराने शासनकाल और चीन के प्रति उसकी नीतियों को लेकर भी सवाल खड़े किए।

रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे गंभीर मुद्दों पर बयान देने से पहले अपने इतिहास पर भी नजर डालनी चाहिए। भाजपा नेताओं का आरोप है कि राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर प्रधानमंत्री की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार की विदेश नीति को लेकर सवाल उठाती रही है।

राहुल गांधी के बयान के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा जहां 1962 के भारत-चीन युद्ध और कांग्रेस के पुराने फैसलों को मुद्दा बना रही है, वहीं कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पर सवाल उठा रही है। इस विवाद ने एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश संबंधों को लेकर सियासी बहस को तेज कर दिया है।

कश्मीर में अब सिर्फ विदेशी आतंकवादी बचे: अमित शाह

यूथ इंडिया, नई दिल्ली

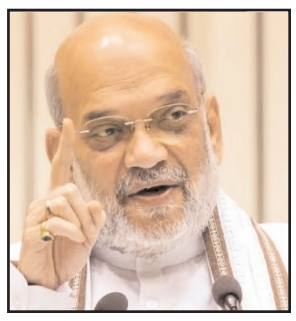

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने पुलिस को प्रतिष्ठित 'प्रेसिडेंट्स पुलिस कलर' से सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई का जिक्र किया।

अमित शाह ने दावा किया कि पुलवामा में लश्कर-ए-तैयबा का आखिरी स्थानीय आतंकवादी मारा गया है। उन्होंने कहा कि अब घाटी में कोई स्थानीय आतंकवादी सक्रिय नहीं है और वहां केवल विदेशी आतंकवादी बचे हैं। उनके मुताबिक, सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई से आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

गृह मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में बड़ा बदलाव आया है। उनके अनुसार, घाटी के युवाओं में अलगाववाद की भावना कमजोर हुई है और वे अब विकास तथा देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति पर मजबूती से काम कर रही है।

इस दौरान अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश की सियांग घाटी और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास एवं सुरक्षा के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाकों का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित किए जाने को उन्होंने पूरे पुलिस बल के लिए गौरव और सम्मान का विषय बताया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पकड़ा गया 20 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक

यूथ इंडिया, जम्मू-कश्मीर



जम्मू-कश्मीर के अरनिया सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास शनिवार सुबह एक पाकिस्तानी नागरिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पकड़े गए युवक की पहचान 20 वर्षीय अवैस रजा के रूप में हुई है। वह संदिग्ध परिस्थितियों में सीमा के नजदीक घूमता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं।

जानकारी के मुताबिक, युवक की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। इसके बाद उससे पूछताछ शुरू की गई। गिरफ्तारी के दौरान उसकी मौजूदगी और सीमा के पास पहुंचने के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

घटना के बाद स्थानीय पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। जांच एजेंसियां युवक की पहचान, उसके दस्तावेजों और भारत की सीमा के पास आने के उद्देश्य की पड़ताल कर रही हैं। यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह अनजाने में सीमा के नजदीक पहुंचा या इसके पीछे कोई अन्य वजह है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा के संवेदनशील क्षेत्र में पाकिस्तानी नागरिक के पकड़े जाने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां अवैस रजा से पूछताछ कर रही हैं। जांच पूरी होने के बाद ही मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां सामने आ सकेंगी।

भारत ने न्यूजीलैंड पर बनाई 118 रन की बढ़त, राहुल ने जड़ा 136 रन का शतक



वेलिंगटन। पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 118 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शनिवार को दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 4 विकेट के नुकसान पर 486 रन बना लिए थे। न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 368 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। इस तरह भारतीय बल्लेबाजों ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

भारत की ओर से केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 136 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना किया। उनके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने भी 80 रन बनाकर टीम के स्कोर में अहम योगदान दिया। दोनों बल्लेबाजों की पारियों ने भारतीय टीम को मजबूत आधार दिया। कप्तान शुभमन गिल शानदार लय में नजर आए, लेकिन वह अपना शतक पूरा करने से चूक गए। दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले गिल 98 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड हो गए। वह महज दो रन से शतक बनाने से चूक गए।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज पहुंचेंगे गोंडा, जयप्रभा ग्राम में श्रीराम कथा में होंगे शामिल

- अयोध्या एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा पहुंचेंगे जयप्रभा ग्राम, मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

यूथ इंडिया, गोंडा



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज गोंडा के दौरे पर रहेंगे। वह जयप्रभा ग्राम में आयोजित श्रीराम कथा में शामिल होकर धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर 3:10 बजे अयोध्या एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा गोंडा के जयप्रभा ग्राम पहुंचेंगे। यहां उनके आगमन के लिए हेलीपैड बनाया गया है। जयप्रभा ग्राम में आयोजित श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद वह शाम 4 बजे गोंडा से अयोध्या के लिए रवाना होंगे। इसके बाद अयोध्या एयरपोर्ट से मध्य प्रदेश के लिए प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा, आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री के इस संक्षिप्त दौरे को लेकर स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और निर्धारित समय-सारिणी का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गुरु गोबिंद सिंह के नाम पर क्यों नहीं नीतीश सेतु: पवन खेड़ा

यूथ इंडिया, लखनऊ



बिहार के कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल का नाम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर रखे जाने को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण पुल का नाम सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के नाम पर भी रखा जा सकता था।

पवन खेड़ा ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह का बिहार से ऐतिहासिक और धार्मिक जुड़ाव रहा है। उनका जन्म पटना साहिब में हुआ था, जो सिख समुदाय के लिए बेहद पवित्र स्थान है। ऐसे में पुल का नाम उनके नाम पर रखने के बजाय नीतीश कुमार के नाम पर रखना कई सवाल खड़े करता है।

कांग्रेस नेता ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे सिख समुदाय की भावनाएं आहत हो सकती हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब बिहार की धरती का गुरु गोबिंद सिंह से इतना गहरा संबंध है, तो उनके नाम पर इस महत्वपूर्ण परियोजना का नामकरण क्यों नहीं किया गया?

इस मुद्दे के सामने आने के बाद बिहार की राजनीति में नामकरण को लेकर बहस तेज होने की संभावना है। कांग्रेस ने इस फैसले के जरिए राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। अब देखना होगा कि सरकार और सत्तारूढ़ दल की ओर से इस विवाद पर क्या प्रतिक्रिया सामने आती है।

बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आज पहुंचेंगे वृंदावन, बांके बिहारी के दरबार में टेकेंगे मत्था

- श्री गौरी गोपाल आश्रम भी जाएंगे, वाई श्रेणी की सुरक्षा को लेकर मथुरा प्रशासन अलर्ट, पुलिस ने किए सुरक्षा और एस्कॉर्ट के इंतजाम

यूथ इंडिया, मथुरा-वृंदावन



बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आज धर्मनगरी वृंदावन पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर ब्रज क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच उत्सुकता है। अपने प्रवास के दौरान वह विश्व प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके साथ ही श्री गौरी गोपाल आश्रम भी जाएंगे।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दौरे को देखते हुए मथुरा जिला प्रशासन और पुलिस विभाग सतर्क हो गया है। उनकी वाईश्रेणी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और एस्कॉर्ट के विशेष इंतजाम किए हैं। उनके आगमन से लेकर कार्यक्रम स्थलों तक सुरक्षा निगरानी रखने की तैयारी की गई है।

प्रशासन की ओर से संभावित आवागमन मार्गों और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती और आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वृंदावन प्रवास के बाद पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पंजाब के पठानकोट जाने और इसके पश्चात माता वैष्णो देवी के दर्शन करने का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है।

धार्मिक नगरी वृंदावन में उनके आगमन को लेकर श्रद्धालुओं की निगाहें उनके कार्यक्रम पर टिकी हैं। बांके बिहारी मंदिर में दर्शन और गौरी गोपाल आश्रम के प्रवास को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

उत्तर प्रदेश में दो सड़क हादसों में सात की मौत

- बाराबंकी के सुबेहा में एंबुलेंस-पिकअप की भिड़ंत में पांच की गई जान, अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा से लौट रहे टोल प्लाजा के असिस्टेंट मैनेजर समेत दो की मौत

यूथ इंडिया, बाराबंकी/अयोध्या



उत्तर प्रदेश में शनिवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बाराबंकी के सुबेहा क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एंबुलेंस की खड़ी पिकअप से भिड़ंत में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा से लौट रहे बाइक सवार दो लोगों की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। दोनों हादसों की खबर से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

बाराबंकी के सुबेहा थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर किलोमीटर 53.3 के पास शनिवार सुबह एंबुलेंस संख्या ऋछ 14 ढ्ढढ्ढ 8529 ने खड़ी पिकअप संख्या ढ्ढ 78 ढ्ढझ्र 6480 में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एंबुलेंस सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और यूपीडा की टीम ने उन्हें बाहर निकालकर सीएचसी हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि एंबुलेंस में गुड़गांव में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले बिहार के समस्तीपुर निवासी अशोक शर्मा का शव रखा था। उनके परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर गांव जा रहे थे। हादसे में अशोक शर्मा के बेटे राजकुमार शर्मा उर्फ सतीश शर्मा, रवि शर्मा, फूलो शर्मा और एंबुलेंस के दोनों चालक सरफराज व आबिद की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी ने घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि पुलिस की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना का संज्ञान लेकर मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने तथा पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

वहीं, अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा से लौट रहे बाइक सवार दो लोगों की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसा कोतवाली क्षेत्र में बूथ नंबर चार के पास हुआ। बताया जाता है कि दोनों बाइक से परिक्रमा पूरी कर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान टोल प्लाजा के असिस्टेंट मैनेजर गंगाराम यादव निवासी कन्नौज और उनके सहकर्मी निवासी तहसीनपुर, रौनाही के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

दोनों हादसों में सात लोगों की मौत से संबंधित परिवारों में मातम पसरा है।

91 साल की सादगी, मां की ममता और संन्यासी बेटे का संसार... सावित्री देवी ने सत्ता नहीं, संस्कारों की विरासत छोड़ी

- **पंचुर की साधारण पहाड़ी गृहिणी के आंचल में पला देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक का मुख्यमंत्री**
- **मां के जाने पर टूट गया जीवन भर का भावनात्मक रिश्ता**

यूथ इंडिया, पंचुर (पौड़ी गढ़वाल)

शरद कटियार

इतिहास में कई ऐसे व्यक्तित्व दर्ज हैं, जिनकी पहचान उनके पद, प्रभाव और राजनीतिक शक्ति से बनी, लेकिन कुछ व्यक्तित्व ऐसे भी होते हैं जिनकी सबसे बड़ी पहचान उनके संस्कार होते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी ऐसी ही एक महिला थीं, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में कोई पद नहीं संभाला, कभी राजनीतिक मंचों की चमक का हिस्सा नहीं बनीं और न ही सत्ता के गलियारों में उनकी कोई महत्वाकांक्षा दिखाई दी। उनका संसार उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के छोटे से गांव पंचुर, परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित रहा। लेकिन इसी साधारण पहाड़ी परिवेश से निकला उनका बेटा आज देश के सबसे बड़े राजनीतिक और प्रशासनिक पदों में से एक पर विराजमान है।

20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की आयु में सावित्री देवी ने अपने पैतृक गांव पंचुर में अंतिम सांस ली। उनके निधन ने केवल एक परिवार को नहीं, बल्कि उस भावनात्मक रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया, जिसके भीतर एक मां की पूरी जिंदगी और एक बेटे का पूरा बचपन समाया होता है।

सात संतानों का परिवार, मां की गोद में पला अजमेर नहीं, अजय

योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पंचुर गांव में हुआ था। जन्म के समय उनका नाम अजय सिंह बिष्ट था। उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में कार्यरत थे और वन क्षेत्राधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। मां सावित्री देवी गृहिणी थीं।

परिवार में कुल 7 संतानें थीं, जिनमें 4 बेटे और 3 बेटियां शामिल हैं। अजय सिंह बिष्ट इन्हीं संतानों में एक थे। पहाड़ के सामान्य परिवार में बच्चों का पालन-पोषण, घर की जिम्मेदारियां, सीमित संसाधन और पारिवारिक संस्कार ही जीवन की वास्तविक पूंजी हुआ करते थे।

सावित्री देवी ने भी इसी पारंपरिक पहाड़ी परिवेश में अपनी गृहस्थी संभाली। उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि किसी सार्वजनिक सम्मान या पद में नहीं, बल्कि परिवार को संस्कार देने और बच्चों को जीवन की राह दिखाने में थी।

मां साधारण रहीं, बेटा असाधारण पहचान तक पहुंचा

सावित्री देवी के जीवन की सबसे उल्लेखनीय बात उनकी सादगी थी। उनका परिवार मुख्यमंत्री के परिवार के रूप में नहीं, बल्कि उत्तराखंड के एक सामान्य ग्रामीण परिवार के रूप में अपनी जड़ों से जुड़ा रहा। योगी आदित्यनाथ के राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावशाली स्थान तक पहुंचने के बावजूद उनके परिवार के अधिकांश सदस्य राजनीतिक चकाचौंध से दूर रहे।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार उनकी बहन शशि पायल पौड़ी क्षेत्र में मंदिर के निकट छोटी दुकान चलाती थीं। परिवार के दूसरे सदस्य भी अपनी सामान्य आजीविका और पारिवारिक जीवन से जुड़े रहे। यह तथ्य अपने आप में उस पारिवारिक परिवेश की ओर संकेत करता है, जहां राजनीतिक ऊंचाई को पूरे परिवार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं बनाया गया।



सावित्री देवी की पहचान एक ऐसी मां के रूप में रही, जिनका बेटा देश के राजनीतिक मानचित्र पर बड़ी पहचान बना चुका था, लेकिन उनकी अपनी जिंदगी गांव और परिवार के इर्द-गिर्द ही रही।

संन्यास ने बदला जीवन, लेकिन मां से रिश्ता नहीं

अजय सिंह बिष्ट ने युवावस्था में घर छोड़कर गोरखपुर का रुख किया। बाद में उन्होंने महंत अवैद्यनाथ को अपना गुरु बनाया और नाथ संप्रदाय की संन्यास परंपरा से जुड़कर योगी आदित्यनाथ के रूप में नई पहचान प्राप्त की।

संसार के पारिवारिक बंधनों से ऊपर उठकर आध्यात्मिक जीवन अपनाने वाले योगी के लिए मां से मुलाकातें स्वाभाविक रूप से सीमित हो गईं। लेकिन भावनात्मक रिश्ता कभी समाप्त नहीं हुआ।

मई 2022 में अपने पैतृक गांव पंचुर पहुंचने पर योगी आदित्यनाथ ने मां सावित्री देवी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया था। मां-बेटे की वह तस्वीर देशभर में चर्चा का विषय बनी थी। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा बेटा अपनी मां के सामने उसी सहजता से सिर झुकाए खड़ा था, जैसे कोई सामान्य पुत्र अपनी मां के चरणों में आशीर्वाद लेने पहुंचता है।

यह तस्वीर बताती है कि संन्यास जीवन की दिशा बदल सकता है, लेकिन मां के प्रति सम्मान और बचपन के संस्कारों को समाप्त नहीं कर सकता।

पिता के निधन के समय भी अधूरा रह गया था अंतिम दर्शन का अरमान

योगी आदित्यनाथ के जीवन में पारिवारिक पीड़ा का यह पहला बड़ा अवसर नहीं था। 20 अप्रैल 2020 को उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन हो गया था। उस समय कोरोना महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन लागू था। मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की जिम्मेदारियों और तत्कालीन परिस्थितियों के कारण योगी अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके थे।

उन्होंने उस समय भी अपनी व्यक्तिगत पीड़ा के बावजूद सार्वजनिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी थी। अब मां के निधन ने उनके जीवन से माता-पिता दोनों का साया छीन लिया।

एक ओर पिता की अंतिम विदाई में शामिल न हो पाने की पीड़ा और दूसरी ओर मां को अंतिम विदाई देते समय छलकते आंसू, उनके जीवन के दो ऐसे अध्याय हैं जो सार्वजनिक जिम्मेदारी और व्यक्तिगत संवेदना के बीच के संघर्ष को सामने रखते हैं।

91 साल की उम्र में विदा हुई, लेकिन पीछे छोड़ गई कई सवाल

सावित्री देवी का 91 वर्ष की आयु में निधन हुआ। उनका जीवन इस बात का उदाहरण भी है कि देश के बड़े पदों पर पहुंचने वाले व्यक्तियों के पीछे अक्सर ऐसे परिवारों का योगदान होता है, जिनकी अपनी पहचान साधारण और संघर्षपूर्ण होती है।

उनकी छोटी बहन सरोज देवी से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में भी सावित्री देवी के मायके और पारिवारिक रिश्तों के प्रति लगाव का उल्लेख आया है। उनके जीवन में रिश्तों की निरंतरता और परिवार से जुड़ाव महत्वपूर्ण रहा।

यहां एक सवाल भी विचारणीय है कि क्या हम अपने समाज में उन माताओं के योगदान को पर्याप्त महत्व देते हैं, जो स्वयं कभी मंच पर नहीं आतीं, लेकिन अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देती हैं कि वे समाज में अपनी अलग पहचान बना सकें?

सावित्री देवी के जीवन को केवल इसलिए याद करना पर्याप्त नहीं होगा कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की मां थीं। उन्हें उस ग्रामीण भारतीय मां के रूप में भी याद किया जाना चाहिए, जिसका जीवन परिवार, परिश्रम, सादगी और रिश्तों के इर्द-गिर्द गुजरता है।

एक मां चली गई, बेटा अब भी उन्हीं संस्कारों का उत्तराधिकारी

योगी आदित्यनाथ के सामने आज उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य की जिम्मेदारी है। राजनीतिक जीवन में उनका व्यक्तित्व कठोर निर्णयों, अनुशासन और दृढ़ता के लिए जाना जाता है। लेकिन मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से छलके आंसुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक जीवन की कठोरता के भीतर भी एक संवेदनशील बेटा मौजूद है।

सावित्री देवी के पास न सत्ता थी, न राजनीतिक पद और न ही सार्वजनिक जीवन की कोई बड़ी महत्वाकांक्षा। लेकिन उनके पास वह सबसे बड़ी पूंजी थी, जिसे कोई सरकार, कोई संस्था और कोई बाजार नहीं दे सकता,अपनी संतान को संस्कार देने का अवसर।

आज मां नहीं हैं, लेकिन पंचुर की उस मिट्टी में उनकी स्मृतियां हैं, उस घर में उनकी उपस्थिति की अनुभूति है और बेटे के जीवन में उनके दिए संस्कारों की विरासत है।

किसी मां की महानता इस बात से तय नहीं होती कि उसका बेटा कितना बड़ा पद हासिल करता है, बल्कि इस बात से होती है कि उसके जाने के बाद भी उसकी ममता और संस्कार कितने जीवित रहते हैं।**

सावित्री देवी चली गईं, लेकिन उनकी कहानी एक बार फिर देश को यह याद दिला गई कि बड़े से बड़ा शासक भी अपनी मां के सामने केवल एक बेटा होता है।

पिता से ज्यादा भाग्यशाली रहीं मां... जब योगी ने दिया कंधा तो फूट-फूटकर रो पड़ा बेटा

- **2020 में पिता आनंद सिंह बिष्ट की अंतिम विदाई में शामिल नहीं हो सके योगी आदित्यनाथ**
- **2026 में मां सावित्री देवी को कंधा देकर दी अंतिम विदाई**
- **छह साल के अंतराल में एक बेटे के जीवन की दो सबसे पीड़ादायक घटनाएं**

यूथ इंडिया, पंचुर (उत्तराखंड)

शरद कटियार

किसी इंसान की जिंदगी में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब दुनिया की सारी उपलब्धियां, पद, प्रतिष्ठा और ताकत अर्थहीन हो जाती हैं। उस समय न सत्ता का रुतबा काम आता है और न ही किसी पद की गरिमा। इंसान के पास केवल उसकी भावनाएं रह जाती हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन में 20 नवंबर 2026 का दिन भी कुछ ऐसा ही बन गया। मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से छलके आंसुओं ने देश को एक ऐसे बेटे का चेहरा दिखाया, जिसे आमतौर पर लोग कठोर प्रशासक, अनुशासित संन्यासी और दृढ़ राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में देखते हैं।

आज वही योगी अपनी मां को अंतिम विदाई देते समय भीतर से टूटे हुए दिखाई दिए। मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते हुए उनके चेहरे पर उभरी पीड़ा और आंखों में ठहरे आंसू बता रहे थे कि मां का जाना किसी भी संतान के लिए कितना बड़ा आघात होता है। यह दृश्य देखकर शायद ही कोई संवेदनशील व्यक्ति अपनी आंखों को नम होने से रोक पाया हो।

लेकिन इस भावुक दृश्य के पीछे एक ऐसी पुरानी कसक भी जुड़ी है, जो योगी आदित्यनाथ के जीवन को और अधिक मार्मिक बना देती है। छह वर्ष पहले पिता की मृत्यु के समय वे अपने पिता की अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो सके थे। अब मां की अंतिम यात्रा में स्वयं कंधा देने पहुंचे। यही दो घटनाएं उनके जीवन के दो ऐसे अध्याय हैं, जिनमें एक ओर कर्तव्य की कठोरता है तो दूसरी ओर रिश्तों की गहराई।

पिता की अंतिम विदाई में शामिल नहीं हो सके थे योगी

20 अप्रैल 2020। कोरोना महामारी का वह दौर, जब पूरा देश भय और अनिश्चितता के माहौल से गुजर रहा था। देशव्यापी लॉकडाउन लागू था। संक्रमण रोकने के लिए आवाजाही पर प्रतिबंध थे और प्रशासनिक व्यवस्था के सामने अभूतपूर्व चुनौतियां थीं।

इसी दौरान योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन हो गया। यह किसी भी बेटे के लिए जीवन का बेहद कठिन क्षण था। पिता का अंतिम संस्कार था, परिवार शोक में था और बेटे के सामने अपने पिता को अंतिम विदाई देने की इच्छा थी। लेकिन उस समय योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की जिम्मेदारियां निभा रहे थे।

कोरोना संक्रमण के खिलाफ चल रही तैयारियों और प्रदेश की परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने



अंतिम संस्कार में शामिल न होने का निर्णय लिया। उन्होंने परिवार से अंतिम संस्कार सादगी से करने का आग्रह किया था। एक ओर पिता की मृत्यु का व्यक्तिगत दुख और दूसरी ओर करोड़ों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी। उस समय उन्होंने सार्वजनिक दायित्व को प्राथमिकता दी।

एक बेटे के लिए पिता की अंतिम यात्रा में शामिल न हो पाना कितना पीड़ादायक होता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन योगी ने उस समय अपनी निजी भावनाओं को सार्वजनिक जिम्मेदारी के सामने पीछे रखा।

छह साल बाद मां की अर्थी को दिया कंधा

समय आगे बढ़ा। परिस्थितियां बदलीं। लेकिन नियति ने एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के जीवन में ऐसा दिन ला दिया, जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया।

20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की आयु में उनकी मां सावित्री देवी ने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के अपने पैतृक गांव पंचुर में अंतिम सांस ली। मां के निधन की खबर ने उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया।

अगले दिन अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान योगी आदित्यनाथ ने मां के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। चंडीघाट श्मशान घाट की ओर बढ़ती अंतिम यात्रा में उनके चेहरे पर छाई उदासी और छलकते आंसू इस बात का प्रमाण थे कि मां का स्थान जीवन में कितना अनमोल होता है।

पिता की अंतिम यात्रा में परिस्थितियों ने उन्हें दूर रखा था, लेकिन मां की अंतिम यात्रा में वे स्वयं मौजूद थे। मां को कंधा देते समय वे अपने आंसुओं को रोक नहीं सके। एक ऐसा व्यक्ति, जो लाखों लोगों के सामने आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ खड़ा रहता है, आज मां के सामने अपनी भावनाओं को संभाल नहीं पाया।

91 साल की मां, 54 साल का बेटा और जीवन भर का रिश्ता

योगी आदित्यनाथ का जन्म 5 जून 1972 को पंचुर गांव में हुआ था। उनका मूल नाम अजय सिंह बिष्ट था। 20 नवंबर 2026 को मां के निधन के समय उनकी आयु 54 वर्ष थी। उनकी मां सावित्री देवी 91 वर्ष की थीं।

एक तरफ मां का 91 वर्षों का जीवन और दूसरी तरफ 54 वर्ष की आयु में मां को खोने वाला बेटा। उम्र चाहे जितनी हो जाए, मां के सामने संतान कभी बड़ी नहीं होती।

बचपन में जिस मां की गोद में सिर रखकर बच्चा दुनिया की परेशानियों से बेखबर सोता है, उसी मां को एक दिन अपने कंधों पर अंतिम यात्रा के लिए ले जाना पड़ता है। जीवन का यह सत्य जितना कठोर है, उतना ही भावुक भी।

योगी आदित्यनाथ ने युवावस्था में सांसारिक जीवन छोड़कर संन्यास का मार्ग अपनाया। गोरखपुर में महंत अवैद्यनाथ के सान्निध्य में उनका आध्यात्मिक जीवन आगे बढ़ा। बाद में वे गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर बने और फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ी पहचान स्थापित की। लेकिन इन सभी भूमिकाओं के बीच मां के प्रति उनका रिश्ता अपनी जगह बना रहा।

मई 2022 में वे अपने पैतृक गांव पंचुर पहुंचे थे और मां के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया था। उस समय सामने आई मां-बेटे की तस्वीर ने लोगों को भावुक कर दिया था। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने वाला बेटा मां के सामने उसी सहजता से झुका था, जैसे कोई सामान्य संतान अपनी मां के आशीर्वाद के लिए झुकती है।

पिता की विदाई और मां की विदाई... दो घटनाएं, एक ही दर्द

इन दोनों घटनाओं की तुलना करते समय एक बात समझना जरूरी है। पिता आनंद सिंह बिष्ट के निधन के समय योगी का अंतिम संस्कार में शामिल न हो पाना महामारी और सार्वजनिक जिम्मेदारियों से जुड़ी परिस्थितियों का परिणाम था। वहीं मां की अंतिम यात्रा में उनकी उपस्थिति और कंधा देना एक बेटे के लिए अंतिम कर्तव्य निभाने का अवसर बना।

इसीलिए यह कहना कि मां पिता से अधिक भाग्यशाली रहीं, भावनात्मक दृष्टि से एक विचार जरूर हो सकता है, लेकिन इसका अर्थ माता-पिता के प्रति प्रेम की तुलना करना नहीं है। दोनों के प्रति बेटे का लगाव अपनी जगह समान रूप से महत्वपूर्ण था। फर्क केवल उन परिस्थितियों का था, जिनमें दोनों को अंतिम विदाई मिली।

पिता की अंतिम विदाई में एक अधूरापन रह गया था, मां की अंतिम विदाई में बेटे ने अपने कंधों से वह जिम्मेदारी निभाई, जिसे हर संतान जीवन में कभी न कभी निभाती है।

मां के जाने के बाद सबसे बड़ा खालीपन

सावित्री देवी एक साधारण पहाड़ी परिवार की गृहिणी थीं। उनके पति आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में कार्यरत रहे। परिवार में कुल सात संतानें थीं, जिनमें चार बेटे और तीन बेटियां शामिल थीं। परिवार की जड़ें गांव की मिट्टी से जुड़ी रहीं।

उनकी पहचान किसी राजनीतिक पद या सार्वजनिक वैभव से नहीं थी। उनकी पहचान उस मां की थी, जिसने अपने बेटे को बचपन से संस्कार दिए और उसे जीवन में आगे बढ़ते देखा।

आज वह मां नहीं हैं। न अब गांव के घर में उनका इंतजार होगा और न ही मां के चरणों में सिर रखकर आशीर्वाद लेने का अवसर मिलेगा। योगी आदित्यनाथ के जीवन में अब माता-पिता दोनों की स्मृतियां ही शेष हैं।

एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें प्रतिदिन हजारों फैसले लेने होंगे। प्रदेश की जनता की समस्याएं सुननी होंगी। प्रशासन चलाना होगा। लेकिन जीवन के इस मोड़ पर एक ऐसी व्यक्तिगत पीड़ा उनके साथ रहेगी, जिसे कोई पद या उपलब्धि कम नहीं कर सकती।

सत्ता का शिखर भी मां के आंचल की बराबरी नहीं कर सकता

इस पूरी घटना में सबसे बड़ी सीख यही है कि इंसान चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, मां के सामने उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। जिस व्यक्ति के पास करोड़ों लोगों की जिम्मेदारी है, वह भी अपनी मां को खोने के बाद उतना ही असहाय है, जितना कोई सामान्य परिवार का बेटा।

योगी आदित्यनाथ के आंसू किसी राजनीतिक विचारधारा के नहीं थे। वे किसी सार्वजनिक संदेश का हिस्सा नहीं थे। वे एक बेटे की आंखों से निकली उस पीड़ा के प्रतीक थे, जिसके सामने शब्द भी बेबस हो जाते हैं।

पिता की अंतिम विदाई में शामिल न हो पाने की कसक और मां को अपने कंधे पर अंतिम यात्रा में विदा करने का दर्द,ये दोनों घटनाएं उनके जीवन में हमेशा के लिए दर्ज हो गईं।

पिता को अंतिम विदाई देने की इच्छा परिस्थितियों के कारण अधूरी रह गई, मां को अंतिम कंधा देने का अवसर मिला। लेकिन सच यही है कि मां हो या पिता, दोनों के जाने के बाद जीवन में जो खालीपन पैदा होता है, उसे कोई दूसरा रिश्ता पूरी तरह नहीं भर सकता।

मां सावित्री देवी को विनम्र श्रद्धांजलि। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और योगी आदित्यनाथ सहित पूरे परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

क्योंकि दुनिया किसी को मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, संत या शासक बना सकती है, लेकिन मां के सामने हर इंसान केवल उसका बेटा ही रहता है।

योगी की मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने चार्टर विमान से रवाना हुईं अपर्णा यादव, पिता अरविंद सिंह बिष्ट भी रहे साथ

- **प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और राज्यमंत्री सतीश शर्मा भी उत्तराखंड के लिए हुए रवाना**
- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार के प्रति जताएंगे शोक संवेदना**

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन से शोक की लहर के बीच राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की हस्तियां शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने पहुंच रही हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव मुख्यमंत्री की माताजी की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए चार्टर विमान से उत्तराखंड रवाना हुईं। उनके साथ



उनके पिता अरविंद सिंह बिष्ट भी मौजूद रहे।

इसके अलावा प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और राज्यमंत्री सतीश शर्मा भी चार्टर विमान से उत्तराखंड के लिए रवाना हुए। सभी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने और शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए अंत्येष्टि में शामिल होने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का 20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की आयु में उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित पैतृक गांव पंचुर में निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से प्रदेशभर में शोक की लहर फैल गई।

मां के निधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी गहरे भावुक नजर आए। मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते समय उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मां को अंतिम विदाई देने का यह दृश्य लोगों को भावुक कर गया।

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की ओर से लगातार शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

योगी की मां को संत समाज ने दी सामूहिक श्रद्धांजलि, बाबा रामदेव सहित दर्जनों संतों ने की प्रार्थना

- **गोंडा में श्रीराम कथा के मंच से व्यक्त किया शोक, आलोक दास महाराज**
- **बोले- दुख की इस घड़ी में पूरा संत समाज मुख्यमंत्री और उनके परिवार के साथ**

यूथ इंडिया, गोंडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन से संत समाज में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री की माताजी के आकस्मिक निधन पर गोंडा में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के मंच से बाबा रामदेव सहित दर्जनों संतों ने सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की। संतों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

गोंडा के चर्चित संत आलोक दास महाराज के संयोजन में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन प्रस्तावित था। उन्हें कथावाचक राजन जी महाराज की कथा में शामिल होकर कथा श्रवण करना था। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर आयोजन स्थल पर तैयारियां भी पूरी कर ली गई थीं। लेकिन इसी बीच उनकी माता सावित्री देवी के निधन की दुखद सूचना सामने आने के बाद मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम प्रभावित हुआ।

इस दुखद समाचार के बाद कथा स्थल का माहौल भी शोकमय हो गया। रामकथा के मंच से बाबा रामदेव सहित उपस्थित संतों ने मुख्यमंत्री की माता को श्रद्धांजलि दी। सभी ने कुछ समय मौन रखकर दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान व्यक्त किया और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई।

इस अवसर पर संत आलोक दास महाराज ने भी गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मां का निधन किसी भी संतान के जीवन की अपूरणीय क्षति है। इस दुख की घड़ी में पूरा संत समाज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

हरिद्वार के चंडी घाट श्मशान पहुंची सीएम योगी की मां की अंतिम यात्रा, नेताओं और साधु-संतों ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव पंचूर से शुरू हुई। सुबह 8:50 बजे अंतिम यात्रा हरिद्वार स्थित चंडी घाट श्मशान घाट के लिए रवाना हुई। इस दौरान परिवार के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग शामिल हुए। अंतिम यात्रा में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई नेताओं के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे रास्ते लोगों की भीड़ दिखाई दी। सुबह करीब 11:40 बजे अंतिम यात्रा हरिद्वार के चंडी घाट स्थित श्मशान घाट पहुंची। यहां पहले से ही बड़ी संख्या में राजनीतिक नेताओं, जनप्रतिनिधियों और साधु-संतों का जमावड़ा लगा हुआ था। सभी ने सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान श्मशान घाट पर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के नेताओं के साथ संत समाज के कई प्रमुख लोगों की मौजूदगी रही।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 27 ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 27 से अधिक ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से बाहर करने से रोक दिया है। अदालत ने मंगलवार को पेंटागन की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें फैसले पर रोक लगाने की अपील की गई थी। तीन जजों की पीठ ने 2-1 से यह फैसला सुनाया। इससे पहले जून में अदालत ने माना था कि ट्रांसजेंडर सैनिकों को उनकी लैंगिक पहचान के आधार पर बाहर करने की नीति गलत है। हालांकि, इस फैसले से नए ट्रांसजेंडर सैनिकों की भर्ती का रास्ता नहीं खुला है। मामला दोबारा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

आयरलैंड के एयरपोर्ट पर कुल्हाड़ी से अमेरिकी सैन्य विमान तबाह

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति ने अमेरिकी सैन्य विमान को भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, 48 वर्षीय दाइथी ओ'कोरेन ने अप्रैल में एयरपोर्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़कर सी-130 हरक्यूलिस विमान में घुसपैठ की थी। उसने विमान की हाइड्रोलिक लाइनें काटीं, कॉकपिट के उपकरण तोड़े और ईंधन टैंक में धातु के गोले डाल दिए। करीब 60 मिलियन डॉलर का यह विमान अब उड़ान भरने लायक नहीं बचा है। आरोपी पर अमेरिकी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दोषी साबित होने पर उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है।

इस्राइल की संसद को मिला नया स्पीकर

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की संसद ने मंगलवार को मातान कहाना को नया स्पीकर चुन लिया। उन्हें 120 सदस्यीय संसद में 66 वोट मिले, जबकि बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन वाले उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। कहाना, नेतन्याहू के विरोधी गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के सहयोगी हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसदीय बहुमत खो दिया था। नया स्पीकर चुने जाने से विपक्षी गठबंधन को संसद में विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। गठबंधन न्यायपालिका से जुड़े विवादित कानूनों को बदलने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की जांच कराने की तैयारी में है। इस्राइल में नेतन्याहू विरोधी गठबंधन संसद में कई विवादित कानूनों को बदलने की तैयारी कर रहा है। नए स्पीकर मातान कहाना के चुनाव से विपक्ष को विधायी प्रक्रिया में बढ़त मिली है। गठबंधन प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा तय करने, न्यायपालिका की शक्तियां कमजोर करने वाले कानूनों को पलटने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की सरकारी जांच कराने वाले प्रस्ताव लाया है। हालांकि, गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए पांच सप्ताह तक का समय है। यदि वह सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं तो राष्ट्रपति नेतन्याहू को फिर मौका दे सकते हैं।

इटली में यहूदी-विरोधी भावना रोकने के लिए नया कानून

रोम, एजेंसी। इटली की संसद ने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए नए कानून को मंजूरी दे दी है। निचले सदन में इसे 147 वोट मिले, जबकि 93 सांसदों ने विरोध किया और पांच ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कानून में अंतरराष्ट्रीय होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस एलायंस की यहूदी-विरोधी भावना की परिभाषा को शामिल किया गया है। समर्थकों का कहना है कि इससे यहूदी-विरोधी घटनाओं से निपटने में मदद मिलेगी। वहीं, आलोचकों को आशंका है कि इसका इस्तेमाल इस्राइल की नीतियों की आलोचना रोकने के लिए हो सकता है। कानून में नए अपराध या सजा का प्रावधान नहीं किया गया है।

अमेरिका में हवाई यातायात व्यवस्था पर फिर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पिछले सप्ताह हवाई यातायात व्यवस्था में आई गड़बड़ी के बाद नए राउटर लगाने पर रोक लगा दी है। पहले से लगाए गए जुनिपर राउटर भी बंद कर दिए गए हैं। जांच में पता चला कि अर्कांसस के एल डोराडो में लगाया गया एक राउटर खराबी की वजह बना था। इससे देश के 22 में से 17 क्षेत्रीय हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र प्रभावित हुए थे। फिलहाल व्यवस्था चलाने के लिए 25 साल पुराने सिस्को राउटर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

नेतन्याहू की बढ़ीं मुश्किलें: संसद में विपक्ष का बहुमत, आइजेनकोट के करीबी मतान कहाना बने नए स्पीकर

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल की संसद (नेसेट) ने मंगलवार को नए स्पीकर का चुनाव किया। इसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार की नीतियों को पलटने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नए स्पीकर के रूप में मतान कहाना को चुना गया है, जो गादी आइजेनकोट के करीबी सहयोगी हैं। आइजेनकोट फिलहाल नेतन्याहू की जगह नई सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके गठबंधन ने कहाना के चुनाव के बाद नेतन्याहू की कुछ सबसे विवादित नीतियों को वापस लेने का वादा किया है।

कहाना को कितने वोट मिले : 120 सदस्यीय संसद में कहाना को 66 वोट मिले। उन्हें यह समर्थन यहूदी नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के साथ-साथ अरब नेतृत्व वाले दलों से भी मिला। वहीं, नेतन्याहू के गठबंधन की ओर से समर्थित उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। स्पीकर के चुनाव को लेकर संसद में सात घंटे से अधिक समय तक तीखी बहस चली। मतदान से पहले आइजेनकोट ने कहा, 'मतान कहाना की नेसेट स्पीकर के रूप में नियुक्ति एक उचित लोकतांत्रिक कदम है। यह बदलाव के पक्ष में स्पष्ट बहुमत को दर्शाती है।'

यह चुनाव 27 अक्तूबर को हुए संसदीय चुनावों के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इन चुनावों में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसद में अपना बहुमत खो दिया था। इसके बाद इस्राइल के राष्ट्रपति ने आइजेनकोट



को नई गठबंधन सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आइजेनकोट के पास कितना समय : आइजेनकोट के पास गठबंधन बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने के लिए अधिकतम पांच सप्ताह का समय और है। सरकार गठन को लेकर बातचीत जारी रहने के बीच उनका गुट और असंबद्ध अरब नेतृत्व वाले दल नवगठित संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। पिछले सप्ताह इन दलों ने कई विधेयक पेश किए थे। इनमें प्रधानमंत्री के पद पर कार्यकाल की सीमा तय करना, सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों की जांच के लिए सरकार के नेतृत्व में जांच आयोग गठित करना और न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने वाले कानूनों को वापस लेना शामिल है।

स्पीकर के पास संसद का एजेंडा तय करने की अहम भूमिका : यरुशलम स्थित थिंक टैंक इस्राइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के असाफ शापिरा के मुताबिक, कहाना के स्पीकर बनने से विपक्षी गठबंधन को विधायी प्रक्रिया में बड़ा फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय बहुत कम है। नेसेट का स्पीकर विधायी प्रक्रिया को बहुत तेज या बहुत धीमा कर सकता है। कहाना ने नेतन्याहू के सहयोगी अमीर ओहाना की जगह ली है। आइजेनकोट और उनके सहयोगियों पर आने वाले सप्ताहों में अपनी विधायी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने का दबाव है।

फिलहाल आइजेनकोट की याशर पार्टी के सदस्य रॉय फोकमैन अस्थायी समिति के प्रमुख हैं। सरकार बनने तक संसद के ज्यादातर कामकाज से जुड़े फैसले यही समिति करती है। अगर आइजेनकोट सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं, तो इस्राइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू को सरकार बनाने का एक और मौका दे सकते हैं। ऐसी स्थिति में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को समिति का नियंत्रण मिलने की संभावना है।

शापिरा ने कहा कि भले ही नेतन्याहू के विरोधियों के पास तब भी संसद में बहुमत बना रहे, लेकिन उन्हें लगेगा कि उनकी राजनीतिक गति धीमी पड़ गई है। इससे कुछ विधेयकों के अटकने का वास्तविक खतरा पैदा हो सकता है।

संसद में सात अक्तूबर के हमले को लेकर तीखी बहस : मंगलवार को संसद में हुई बहस के दौरान सात अक्तूबर के हमले के जख्म भी सामने आए। बहस शुरू होने के कई घंटे बाद लिकुड पार्टी की सदस्य तालिक ग्विली ने अरब ज्वाइंट लिस्ट के वरिष्ठ सदस्य अहमद तिबी के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया।

ग्विली का बेटा पुलिस अधिकारी था, जिसकी सात अक्तूबर को फलस्तीनी आतंकियों ने हत्या कर दी थी। उस समय तिबी संसद में दक्षिणपंथी सांसदों की नस्लवादी टिप्पणियों की आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान ग्विली ने चिल्लाते हुए पूछा, 'मेरे बेटे को किसने मारा?' इस पर तिबी ने जवाब दिया, 'आप मुझे इसके लिए जिम्मेदार क्यों ठहराने लगी हैं? किसी अरब सांसद से ऐसा सवाल मत पूछिए।' इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। संसद के आसन से तिबी ने ग्विली से बिना किसी आधार के आरोप लगाने से बचने को कहा।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले- हिंदू-सिखों के खिलाफ नफरत बढ़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। ममदानी ने मंगलवार को अपने कार्यालय में दिवाली कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक साल में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाई गई। रामायण और महाभारत का जिक्र करते हुए ममदानी ने कहा कि रामायण हमें सिखाती है कि हमें कैसा भाई, पति, पत्नी और दोस्त बनना चाहिए। महाभारत परिवारों की असली तस्वीर दिखाती है। ममदानी की मां मीरा नायर पंजाबी हिंदू परिवार से आती हैं। 35 साल के ममदानी न्यूयॉर्क के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर हैं।

वॉशिंगटन हो या दिल्ली, नफरत फैलाने वाली राजनीति को रोकना होगा : ममदानी ने अमेरिका और भारत की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे समाज में डर और नफरत फैलाने वाली बातों का विरोध करें। उन्होंने कहा, चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, हमें ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो हमारी जिंदगी में अंधेरा लाती है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही वह अपने परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर पूरे शहर के लोगों के साथ यह त्योहार मनाना उनके लिए सम्मान की बात है।

हिंदू समुदाय के खिलाफ दो घटनाएं हुईं : इलिनॉय के मंदिर में गोलीबारी की कोशिश: 11 अक्टूबर को अमेरिका के इलिनॉय राज्य के औरोरा शहर में एक हिंदू मंदिर पर गोलीबारी की कोशिश हुई थी। पुलिस के मुताबिक 19 साल का एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस हथियार और गोलियां लेकर मंदिर पहुंचा था। उस समय मंदिर में नवरात्रि मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। आरोपी की राइफल जाम हो गई थी, जिसके बाद वह वहां से चला गया। उसके एक साथी कर्मचारी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में उसके घर से राइफल, 300 से ज्यादा गोलियां और नाजी विचारधारा से जुड़ी चीजें मिलीं। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध हथियार रखने के आरोप लगे हैं।

सिएटल में दिवाली कार्यक्रम में हंगामा: 7 नवंबर 2026 को अमेरिका के सिएटल में दिवाली कार्यक्रम के दौरान दो लोगों ने ने हंगामा किया। दोनों विवादित पोस्टर लेकर कार्यक्रम में घुस आए। पोस्टर पर लिखा था- 'सभी भारतीयों को देश से निकालो'। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सांसद प्रमिला जयपाल ने इसकी निंदा की। 17 नवंबर को 13 अमेरिकी सांसदों ने FBI से मामले की जांच संभावित हेट क्राइम के तौर पर करने की मांग की। गुरुद्वारे की दीवारों पर नफरत भरी बातें लिखीं: 27 दिसंबर 2025 को न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में बाबा माखन शाह लुबाना सिख सेंटर की दीवारों पर अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं।

कुवैत में ड्रोन हमलों का अलर्ट, सेना ने एक्टिवेट किया एयर डिफेंस सिस्टम

कुवैत सिटी, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने किया विस्फोटों का दावा कुवैत सिटी। मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक व सैन्य तनाव के बीच कुवैत में ड्रोन हमलों का हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुवैती सेना ने बुधवार को पुष्टि की कि देश की हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय रूप से शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं। सेना के जनरल स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दे रही तेज धमाकों की आवाजें इन हवाई हमलों को हवा में ही रोकने (इंटरसेप्ट करने) की कार्रवाई का नतीजा हैं। कुवैती आर्मी ने सोशल मीडिया पर जारी किया बयान, ईरानी मीडिया ने दी विस्फोटों की खबरहवाई हमलों को नाकाम करने में जुटी सेनाः कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'कुवैत की हवाई रक्षा प्रणालियां इस समय शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं।' जनरल स्टाफ के अनुसार, एयर डिफेंस यूनिट्स पूरी सतर्कता के साथ हवाई खतरों को निष्क्रिय करने में जुटी हुई हैं, जिससे आसमान में धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

अरब सूत्रों के हवाले से विस्फोटों का दावा: दूसरी ओर, बीबीसी फारसी से मिली जानकारी के अनुसार, ईरानी मीडिया ने 'अरब सूत्रों' के हवाले से कुवैत में कई विस्फोट होने की खबरें प्रसारित की हैं। खाड़ी क्षेत्र में गहराता सैन्य टकराव, ईरान ने दी है अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी

बहरीन के बाद अब कुवैत में हलचलः गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच सीधा तनाव चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में ईरान ने बहरीन स्थित अमेरिकी रडार ठिकानों पर हमले करने की घोषणा की थी। तेहरान ने इसे केशम और सिरिक सहित खाड़ी के तटीय इलाकों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों की जवाबी कार्रवाई करार दिया था।

अमेरिका: 83 महिला सांसदों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें ऑनलाइन? पेरिस हिल्टन के खुलासे से मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और बिना सहमति के बनाई गई अश्लील तस्वीरों (अश्लील डीपफेक) का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। मॉडल और रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी कांग्रेस की 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें फिलहाल इंटरनेट पर मौजूद हैं। हिल्टन ने मंगलवार शाम सीएनएन के कार्यक्रम 'द लीड' में एंकर जेक टैपर से बातचीत के दौरान यह जानकारी साझा की। उनका यह खुलासा सुनकर टैपर भी हैरान रह गए।

हिल्टन इन दिनों अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से डीईएफआईएएनसीई एक्ट पारित कराने की मांग कर रही हैं। यह



विधेयक इंटरनेट पर बिना सहमति के बनाई और साझा की जाने वाली यौन तस्वीरों और डीपफेक सामग्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। मंगलवार को उन्होंने इस कानून को पारित कराने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नेतृत्व से मुलाकात भी की। हिल्टन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जनवरी में कांग्रेस में डेमोक्रेटिक बहुमत आने से पहले मौजूदा सत्र में ही यह विधेयक पारित हो जाएगा। इससे पहले यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है।

विधेयक पारित नहीं हुआ तो पीड़ितों के लिए होगा दुखद : सीएनएन के एंकर जेक टैपर ने जब हिल्टन से पूछा कि क्या इस विधेयक को प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त समर्थन मिल रहा है, तो उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस का मौजूदा सत्र समाप्त होने से पहले इसे पारित नहीं किया गया, तो यह पीड़ितों के लिए बेहद दुखद होगा। हिल्टन ने इस मुद्दे को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'यह रिपब्लिकन या डेमोक्रेटिक पार्टी का मुद्दा नहीं है।' उनके मुताबिक, ऑनलाइन यौन डीपफेक एक महामारी की तरह फैल रहे हैं और इससे निपटने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की जरूरत है। हिल्टन ने प्रतिनिधि सभा की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज (डेमोक्रेट-न्यूयॉर्क) और लॉरेल ली (रिपब्लिकन-फ्लोरिडा) की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों सांसदों ने इस विधेयक पर उनके साथ काम किया है और इस मुद्दे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने इस विषय पर एक अध्ययन किया है। इसके मुताबिक, अमेरिकी कांग्रेस की कुल 156 महिला सांसदों में से 83 की यौन डीपफेक तस्वीरें इस समय ऑनलाइन मौजूद हैं। हिल्टन ने कहा कि यह समस्या सभी को प्रभावित कर रही है। यह आंकड़ा सुनकर जेक टैपर ने हैरानी जताते हुए कहा, 'यह वाकई भयावह है।' डीईएफआईएएनसीई एक्ट का उद्देश्य बिना सहमति के किसी व्यक्ति की अश्लील या यौन तस्वीरें बनाने और उन्हें इंटरनेट पर साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता मजबूत करना है।

अलास्का में भी जीते डेमोक्रेट्स: मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन से छीना राज्य, 70 साल बाद सीनेट में सबसे बड़ी बढ़त

अलास्का , एजेंसी। अलास्का में अमेरिकी सीनेट की कड़े मुकाबले वाली दौड़ में, पूर्व प्रतिनिधि मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन को हरा दिया है। इस जीत के साथ ही, रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली एक और सीट (कुल नौवीं सीट) डेमोक्रेट्स के खाते में चली गई है। यह पिछले लगभग 70 वर्षों में किसी मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे बड़ी बढ़त है।

अलास्का के लिए यह जीत क्यों है खास : पूर्व अमेरिकी कांग्रेसवुमन पेल्टोला, अलास्का की पहली डेमोक्रेटिक सीनेटर बनेंगी। उनसे पहले मार्क बेगिच इस सीट पर थे, जो 2009 से 2015 तक इस पद पर रहे थे। बता



दें कि वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुनी जाने वाली अलास्का की पहली मूल निवासी महिला हैं। वह उन केवल दो मूल निवासी महिलाओं में से एक हैं जो इस पद पर पहुंची हैं; दूसरी महिला पैगी फ्लैनागन हैं, जिन्होंने इस साल मिनेसोटा में सीनेट का चुनाव जीता है। अलास्का का मुकाबला मध्यावधि चुनावों में सीनेट की आखिरी दौड़ थी, जिसका परिणाम घोषित किया गया। इस मुकाबले में एक निर्दलीय उम्मीदवार को लेकर विवाद भी हुआ, जिसका नाम सुलिवन के नाम से मिलता-जुलता था।

पहले क्या थे ये आंकड़े : इससे पहले, 1958 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के दूसरे कार्यकाल के दौरान, डेमोक्रेट्स ने मध्यावधि चुनाव में नौ या उससे अधिक सीनेट सीटें जीती थीं। उस साल, डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली 13 सीटें छीन ली थीं और अलास्का की दो नई बनी सीटों पर भी जीत हासिल की थी, जिससे उन्हें कुल 15 सीटों का फायदा हुआ था।

पेल्टोला की जीत के बाद, जनवरी में जब नई कांग्रेस शुरू होगी, तब डेमोक्रेट्स के पास 56-44 का बहुमत होगा। पिछले 16 वर्षों में सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी की यह सबसे बड़ी बढ़त है। 3 जनवरी 2011 को समाप्त हुई 111वीं कांग्रेस के अंतिम दिनों में, डेमोक्रेट्स के पास सीनेट की 58 सीटें थीं। अगर अलास्का की सीट को छोड़ भी दें, तब भी डेमोक्रेट्स को जनवरी 2015 के बाद से सबसे बड़ा बहुमत मिल गया है। 2014 के मध्यावधि चुनावों में, राष्ट्रपति बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल के दौरान, रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की नौ सीटें जीतकर सत्ता पर अपना नियंत्रण बना लिया था। बुधवार को मिसिसिपी में अमेरिकी सीनेट की दौड़ में डेमोक्रेट स्कॉट कोलोम की जीत के साथ, उनकी पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली आठवीं सीट मिल गई।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार:कहा- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा; चेयरमैन बोले- ऐसा कोई इरादा नहीं

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस्तीफे के बाद मंगलवार को पहली बार एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा, अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा। हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

इस्तीफे के बाद जेन्सन का ये बयान क्यों अहम है... ये वापसी की खुली अपील हैः हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है।

गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दी: उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया।

अमेरिका कार्ड खेला: बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं।

परिवार से माफी: आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी



मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा। '

हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोग : जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

अमेरिकी संसद की समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग : एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है।

ट्रंप को मारना चाहता था पाकिस्तानी, अमेरिका ने सुनाई 27 साल 6 महीने की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अभियोजकों का कहना है कि यह साजिश ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के निर्देश पर रची गई थी। हालांकि, अमेरिकी जांच एजेंसियों ने समय रहते इसे नाकाम कर दिया और किसी हमले को अंजाम नहीं दिया जा सका। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित संघीय अदालत में जिला न्यायाधीश एरिक आर. कोमिटी ने मर्चेंट को 330 महीने की सजा सुनाई। 48 वर्षीय मर्चेंट को छह मार्च को जूरी ने हत्या के लिए सुपारी देने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश के आरोपों में दोषी ठहराया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मर्चेंट ने एक अमेरिकी राजनीतिक नेता की हत्या के लिए पेशेवर हत्यारों की तलाश की थी। हालांकि, जिन लोगों को उसने इसके लिए पैसे दिए, वे वास्तव में एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। जांच एजेंसी ने हमले से पहले ही पूरी योजना का खुलासा कर दिया। मर्चेंट ने अदालत में गवाही दी। उसका मानना था कि इस साजिश का मुख्य निशाना ट्रंप थे। अभियोजकों के मुताबिक, उस



समय के राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली भी संभावित निशानों में शामिल थे। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने सजा की घोषणा करते हुए कहा, ''न्याय विभाग हमारे नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'' अभियोजकों का दावा था कि इस साजिश का मकसद ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना था। सुलेमानी जनवरी 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। हालांकि, मर्चेंट ने अभियोजन पक्ष के इस दावे पर सवाल उठाया था कि वह वास्तव में हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए तैयार था। उसने अदालत में कहा था कि ईरान में उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर उसे डर था और उसका इरादा कभी भी हत्या करवाने का नहीं था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट स्वेच्छा से रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया अभियान में शामिल हुआ था और अमेरिका आने से पहले उसे प्रशिक्षण दिया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, एक रिश्तेदार के माध्यम से उसकी पहचान ईरान में मौजूद एक हैंडलर से कराई गई थी। इसके बाद तेहरान में दोनों की कई मुलाकातें हुईं।

मर्चेंट को कथित तौर पर काउंटर इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया गया और राजनीतिक रैली के दौरान हत्या को अंजाम देने के लिए अपराधियों की भर्ती करने के निर्देश दिए गए। मर्चेंट अप्रैल 2024 में ईरान में कुछ समय बिताने के बाद अमेरिका पहुंचा। उसने इस योजना में मदद के लिए अपने एक परिचित से संपर्क किया, लेकिन उस व्यक्ति ने एफबीआई को इसकी जानकारी दे दी और जांच एजेंसी के लिए मुखबिर बन गया। मुकदमे के दौरान पेश की गई एक रिकॉर्डिंग में मर्चेंट को कथित तौर पर यह समझाते हुए सुना गया कि किसी राजनीतिक नेता की रैली के दौरान हत्या किस तरह की जा सकती है। बाद में उसने उन लोगों से मुलाकात की, जिन्हें वह सुपारी लेकर हत्या करने वाले पेशेवर अपराधी समझ रहा था। उसने उन्हें बताया कि वह विदेश में मौजूद कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, प्रस्तावित गतिविधियों में दस्तावेजों की चोरी, राजनीतिक रैलियों में विरोध प्रदर्शन आयोजित करना और एक राजनीतिक नेता की हत्या करना शामिल था।

सम्पादकीय

मां के सामने टूट गया सत्ता का सबसे मजबूत चेहरा, छलक पड़े योगी के आंसू



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

जीवन भी कितना विचित्र है। जो चेहरा लाखों लोगों के सामने कभी विचलित नहीं होता, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में फैसले लेने का साहस रखता है, जिसके एक आदेश से पूरा प्रशासनिक तंत्र सक्रिय हो जाता है, वही चेहरा मां के बिछड़ने पर आंसुओं के सैलाब को नहीं रोक पाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देते समय भावुक हो जाना केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की ऐसी तस्वीर है, जिसने सत्ता, शक्ति और पद की तमाम परिभाषाओं को एक पल के लिए पीछे छोड़ दिया।

आज न उनके सामने कोई राजनीतिक चुनौती थी, न प्रशासनिक परीक्षा और न ही सत्ता का कोई दायित्व। आज सामने थी वह मां, जिसने उन्हें जन्म दिया, अपनी ममता से सींचा और जीवन के कठिन रास्तों पर आगे बढ़ने का संस्कार दिया। जब योगी आदित्यनाथ ने मां के पार्थिव शरीर को कंधा दिया तो उनकी आंखों से छलके आंसुओं ने बता दिया कि दुनिया की तमाम ताकतें मिलकर भी मां के जाने से पैदा हुए खालीपन को नहीं भर सकतीं।

योगी आदित्यनाथ को सार्वजनिक जीवन में एक कठोर प्रशासक, अनुशासित संत और दृढ़ राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। उनके फैसलों पर बहस हो सकती है, उनकी कार्यशैली पर राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मां को अंतिम विदाई देते समय सामने आया उनका भावुक रूप राजनीति और विचारधारा की सीमाओं से कहीं ऊपर था। उस क्षण न कोई मुख्यमंत्री था, न कोई सत्ताधीश और न ही कोई राजनीतिक व्यक्तित्व। वहां केवल एक बेटा था, जिसकी दुनिया से मां का साया उठ चुका था।

देवभूमि उत्तराखंड की धरती पर घटित यह दृश्य मानो हर संवेदनशील हृदय को भीतर तक छू गया। भगवा वस्त्रों में जीवन समर्पित करने वाले एक संन्यासी की आंखों में मां के लिए छलकते आंसू इस बात का प्रमाण हैं कि संन्यास भावनाओं का अंत नहीं, बल्कि जीवन के प्रति एक अलग दृष्टिकोण है। मां के प्रति प्रेम, सम्मान और लगाव किसी पद, वेश या जीवन पद्धति का मोहताज नहीं होता। सत्ता के शिखर पर बैठा व्यक्ति भी मां के सामने उतना ही असहाय होता है, जितना कोई साधारण इंसान।

यह तस्वीर एक और बड़ा संदेश देती है। आज के दौर में जब राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप, वर्चस्व की लड़ाई और सत्ता के प्रदर्शन को ही अक्सर सबसे अधिक महत्व दिया जाता है, तब योगी आदित्यनाथ का यह भावुक क्षण याद दिलाता है कि सार्वजनिक जीवन की कठोरता के पीछे भी एक संवेदनशील इंसान सांस लेता है। जो व्यक्ति करोड़ों लोगों के दुख-दर्द सुनता है, उसके अपने जीवन में भी ऐसा दुख आ सकता है, जिसके सामने सारे शब्द छोटे पड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कंधों पर उत्तर प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन आज उनके कंधों पर मां की अंतिम यात्रा का भार था। एक तरफ प्रदेश की जिम्मेदारियां हैं, दूसरी तरफ जीवन भर का वह रिश्ता, जिसका विकल्प संसार में कहीं नहीं है। मां के जाने के बाद इंसान कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, भीतर कहीं न कहीं वह उसी बच्चे की तरह रह जाता है, जिसे हर मुश्किल में मां का आंचल सुरक्षित रखता था।

मां की विदाई पर छलके ये आंसू कमजोरी नहीं, बल्कि रिश्तों की मजबूती और संवेदनाओं की सच्चाई हैं। यह प्रकृति का सबसे बड़ा सत्य है कि समय किसी के लिए नहीं रुकता और मृत्यु के सामने न सत्ता की शक्ति चलती है, न पद का प्रभाव और न ही प्रतिष्ठा का वैभव। आज योगी आदित्यनाथ के लिए पूरा संसार अपनी जगह है, लेकिन मां के बिना जीवन का एक हिस्सा हमेशा अधूरा रहेगा। क्योंकि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा व्यक्ति प्रदेश का मुखिया हो सकता है, संत समाज का मार्गदर्शक हो सकता है, करोड़ों लोगों का नेतृत्व कर सकता है, लेकिन मां की नजरों में वह हमेशा उसका बच्चा ही रहता है। मां सावित्री देवी को विनम्र श्रद्धांजलि। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उनके परिवार को दें। मां का जाना केवल एक व्यक्ति का बिछड़ना नहीं, जीवन भर सिर पर रहने वाले आशीर्वाद के साये का उठ जाना है।

प्रधान संपादक

बदलाव की राह पर अग्रसर महिलाएं



डॉ. विजय गर्ग

समाज में वास्तविक बदलाव तभी संभव होता है, जब महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले। आज महिलाएं केवल परिवार की जिम्मेदारियां निभाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, खेल, व्यवसाय और सामाजिक सेवा जैसे प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे न केवल अपने जीवन की दिशा बदल रही हैं, बल्कि समाज और देश के विकास को भी नई गति दे रही हैं।

एक समय था जब महिलाओं की भूमिका को घर की चारदीवारी तक सीमित समझा जाता था। शिक्षा और रोजगार के अवसर भी उनके लिए सीमित थे। लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदली हैं। आज बेटियां डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, पुलिस अधिकारी, सैनिक, उद्यमी और प्रशासनिक अधिकारी बनकर अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी स्वयं सहायता समूहों, छोटे व्यवसायों और कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं।

महिला शिक्षा इस बदलाव की सबसे महत्वपूर्ण धुरी है। शिक्षित महिला केवल स्वयं जागरूक नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार और अगली पीढ़ी को शिक्षित तथा संस्कारित बनाने में योगदान देती है। जब एक लड़की को शिक्षा मिलती है, तो उसके सामने आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों को समझने और जीवन के निर्णय स्वयं लेने के रास्ते खुलते हैं।

आर्थिक आत्मनिर्भरता ने भी महिलाओं की सामाजिक स्थिति को मजबूत किया है। आज महिलाएं नौकरी करने के साथ-साथ अपना व्यवसाय शुरू कर रही हैं। डिजिटल तकनीक और इंटरनेट ने उनके लिए घर बैठे काम करने, ऑनलाइन व्यापार करने और नए कौशल सीखने के अवसर पैदा किए हैं। इससे छोटे शहरों और गांवों की महिलाओं को भी आगे बढ़ने का मंच मिला है।

राजनीति और प्रशासन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भी सकारात्मक बदलाव का संकेत है। पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व ने ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पेयजल जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता दी है। महिलाएं अब केवल निर्णयों को स्वीकार नहीं करतीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

हालांकि, इस बदलाव के बावजूद चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, असमान वेतन और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दे आज भी चिंता का विषय हैं। कई प्रतिभाशाली लड़कियां आर्थिक कठिनाइयों, पारिवारिक दबाव और सामाजिक रूढ़ियों के कारण अपनी क्षमता के अनुरूप आगे नहीं बढ़ पातीं।

महिलाओं की सफलता का उत्सव मनाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर, सम्मानजनक रोजगार और परिवार का सहयोग भी मिलना चाहिए। पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग की भावना विकसित करना आवश्यक है। परिवार में बेटियों और बेटों को समान महत्व देना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है।

आज की महिला केवल बदलाव की प्रतीक्षा नहीं कर रही, बल्कि स्वयं बदलाव की राह बना रही है। वह अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और संकल्प से पुरानी धारणाओं को चुनौती दे रही है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उसकी उड़ान में बाधा बनने के बजाय उसके पंखों को मजबूती दे।

महिलाओं का सशक्तीकरण किसी एक वर्ग या परिवार का विकास नहीं, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का आधार है। जिस दिन हर महिला को अपनी प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता मिलेगी, उसी दिन समानता और विकसित समाज का सपना वास्तविकता में बदल सकेगा।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

रक्त संबंधों, करीबी रिश्तों में विवाह की परंपरागत छूट पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी चिंता



एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्यक स्तरपर भारत की सभ्यता केवल आधुनिक तकनीक,आर्थिक प्रगति और डिजिटल क्रांति से ही परिभाषित नहीं होती, बल्कि इसकी हजारों वर्षों की सामाजिक परंपराओं पारिवारिक मर्यादाओं, रिश्तों की पवित्रता,वैवाहिक नियमों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इसकी पहचान बनती है।भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं,बल्कि दो परिवारों और भावी पीढ़ियों के निर्माण की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था माना गया है।हमारे बड़े-बुजुर्गों की कहावतों धार्मिक- आध्यात्मिक प्रवचनों और पारिवारिक संस्कारों में निकट रक्त संबंधों के बीच विवाह से बचने की सलाह लंबे समय से मिलती रही है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि हर पुरानी परंपरा अपने आप में वैज्ञानिक प्रमाण नहीं होती और हर समुदाय की विवाह संबंधी परंपराएं एक जैसी भी नहीं हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगाकि आज डिजिटल युग में व्यक्तिगत स्वतंत्रता,बदलती सामाजिक मान्यताओं और विवाह के अधिकार पर व्यापक चर्चा हो रही है।इसी बीच निकट रक्त संबंधियों के बीच विवाह का प्रश्न एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ गया है।इसका कारण 20 नवंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में सामने आया वह महत्वपूर्ण मामला है,जिसमें न्यायालय ने ऐसे विवाहों से पैदा होने वाले संभावित आनुवंशिक और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों पर चिंता व्यक्त की तथा कहा कि इस विषय पर कानून बनाना संसद का काम है।यह मामला केवल किसी एक परिवार,धर्म अथवा समुदाय का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, भावी पीढ़ियों, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विधायी जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ है।

मामला,याचिकाकर्ता और न्यायालय की टिप्पणी को समझने की करें तो इस पूरे विवाद का केंद्र बेंगलुरु की 20 वर्षीय दृष्टिबाधित विधि छात्रा चार्वी एस. द्वारा दायर जनहित याचिका है।याचिका में उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव को सामने रखते हुए बताया कि उनके माता-पिता करीबी रक्त संबंधी थे और उन्हें जन्मजात आनुवंशिक समस्या का सामना करना पड़ा।उनका उद्देश्य केवल अपनी व्यक्तिगत पीड़ा को न्यायालय के सामने रखना नहीं,बल्कि ऐसे विवाहों से उत्पन्न होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति देशव्यापी जागरूकता और आवश्यक कानूनी सुरक्षा की मांग करना है।

23903 /2026 को दाखिला तारीख बताना उचित नहीं होगा।यह डायरी नंबर है।इसी प्रकार 20 नवंबर की कार्रवाई को अंतिम फैसला या देशव्यापी प्रतिबंध का आदेश कहना भी गलत होगा।यह केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने और सीमित मुद्दे पर विचार करने की महत्वपूर्ण न्यायिक कार्यवाहीहै।सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि विवाह करना व्यक्ति की निजी पसंद है और न्यायालय अपनी ओर से ऐसे विवाहों पर जबरन रोक नहीं लगा सकता। न्यायमूर्ति ने भी इस बात पर जोर दिया कि विवाह का निर्णय पर्याप्त जानकारी के साथ होना चाहिए।न्यायालय ने केंद्र सरकार से इस विषय पर उपयुक्त कानून बनाने की संभावना पर विचार करने अथवा स्कूलों,कॉलेजों और अन्य माध्यमों से वैज्ञानिक जागरूकता फैलाने के संबंध में जवाब मांगा।

न्यायालय की टिप्पणी का विशेष महत्व इस बात में है कि उसने केवल कानून की सीमाओं की चर्चा नहीं की, बल्कि भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य और अंतरपीढ़ीगत न्याय को भी महत्वपूर्ण माना। न्यायालय ने यह भी सुझाव दिया कि जागरूकता अभियान में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पंचायतों जैसे स्थानीय संस्थानों की सटीकता से सहायता ली जा सकती है।

भावी पीढ़ियों के लिए खतरा क्यों? इसको समझने की करें तो इस विषय को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि चिकित्सा विज्ञान में ऐसे विवाहों को कंसैंग्विनियस मैरिज कहा जाता है।इसका अर्थ है ऐसे दो व्यक्तियों का विवाह, जिनके बीच निकट रक्त संबंध और साझा पूर्वज हों।उदाहरण के तौर पर चचेरे-ममेरे भाई-बहन अथवा कुछ अन्य निकट पारिवारिक रिश्ते। इसका सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहलू आनुवंशिकता से जुड़ा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने माता और पिता सेआनुवंशिक गुण मिलते हैं। कई बार किसी व्यक्ति में किसी आनुवंशिक बीमारी से संबंधित दोषपूर्ण जीन मौजूद होता है, लेकिन दूसरा स्वस्थ जीन उस प्रभाव को दबा देता है। ऐसे व्यक्ति स्वयं स्वस्थ दिखाई दे सकते हैं, फिर भी वे उस आनुवंशिक बदलाव के वाहक हो सकते हैं।

इससे कुछ परिस्थितियों में निम्नलिखित स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है पहला, जन्मजात शारीरिक विकृतियां और कुछ अंगों के विकास में असामान्यताएं। दूसरा, कुछ आनुवंशिक रक्त संबंधी बीमारियां, जिनमें थैलेसीमिया के कुछ प्रकार शामिल हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

रिश्तेदारों को स्टेशन छोड़ने गए थे, रेलवे ने खुद ही यात्रा करवा दी!

यूथ इंडिया

भारतीय पारिवारिक जीवन में कुछ परंपराएं ऐसी हैं, जिन्हें निभाने के लिए किसी निमंत्रण पत्र, धार्मिक विधान या सरकारी आदेश की आवश्यकता नहीं होती। वे हमारी संस्कृति, संस्कार और पारिवारिक जिम्मेदारियों का हिस्सा बन चुकी हैं। रिश्तेदारों को रेलवे स्टेशन छोड़ने जाना भी ऐसी ही एक परंपरा है। हमारे यहां किसी मेहमान या रिश्तेदार को केवल घर से विदा कर देना पर्याप्त नहीं माना जाता। उसे स्टेशन तक पहुंचाना, ट्रेन में ठीक से बैठना और जब तक गाड़ी आंखों से ओझल न हो जाए, तब तक प्लेटफॉर्म पर खड़े रहना पारिवारिक कर्तव्य का अनिवार्य हिस्सा समझा जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में प्रेम से ज्यादा जिम्मेदारी दिखाई देती है और जिम्मेदारी से ज्यादा सावधानी। रिश्तेदार के स्टेशन पहुंचने से लेकर ट्रेन के रवाना होने तक साथ आए व्यक्ति की भूमिका किसी निजी सहायक से कम नहीं होती। पहले सामान उठाया जाता है, फिर डिब्बा खोजा जाता है, सीट का नंबर मिलाया जाता है और अंत में सामान को ऐसी जगह व्यवस्थित किया जाता है, जहां यात्रा के दौरान किसी को परेशानी न हो। पानी की बोतल, खाने का डिब्बा, तकिया और अन्य जरूरी सामान अपनी-अपनी जगह पहुंचाने के बाद भी विदा करने वाले की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती।

इसके बाद शुरू होता है हिदायतों का सिलसिला। ट्रेन चलने से पहले कम से कम पांच बार कहा जाता है कि पहुंचकर फोन जरूर करना। रास्ते में कुछ खाने का मन हो तो स्टेशन से ले लेना। सामान का ध्यान रखना। किसी अनजान व्यक्ति से ज्यादा बातचीत मत करना। और हां, उतरते समय अपना बैग देख लेना। एक ही बात को बार-बार दोहराने के पीछे कोई संदेह नहीं होता, बल्कि यह भारतीय रिश्तेदारी का वह अपनापन है, जिसमें चिंता जताने के लिए नए वाक्य नहीं मिलते तो पुराने वाक्य ही दोहराए जाते हैं।

फिर ट्रेन चलती है। खिड़की के पास बैठा रिश्तेदार हाथ हिलाता है और प्लेटफॉर्म पर खड़ा परिजन भी हाथ हिलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी करता है। दोनों के बीच दूरी बढ़ती जाती है, लेकिन हाथ हिलाने का सिलसिला तब तक जारी रहता है, जब तक ट्रेन दिखाई देना बंद नहीं कर देती। इसके बाद विदा करने वाला व्यक्ति संतोषपूर्वक घर लौटता है। उसे लगता है कि उसने अपना पारिवारिक धर्म निभा दिया। रिश्तेदार अपनी मंजिल की ओर रवाना हो गया और अब उसे अपने घर वापस जाना है।

लेकिन कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई एक घटना ने इस पूरी पारिवारिक परंपरा की परिभाषा ही बदल दी। यहां कुछ लोगों को रिश्तेदारों को विदा करने का ऐसा अनुभव मिला, जिसे वे शायद जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। वे अपने परिजनों को ट्रेन में बैठाने आए थे, लेकिन रेलवे की व्यवस्था ने उन्हें भी ट्रेन का यात्री बना दिया। अंतर सिर्फ इतना था कि उन्होंने यात्रा की कोई योजना नहीं बनाई थी, टिकट नहीं लिया था और न ही उन्हें यह मालूम था कि उनकी अगली मंजिल कौन-सी होने वाली है।

बताया गया कि बारह लोग अपने रिश्तेदारों को वंदे भारत एक्सप्रेस में बैठाने के लिए कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचे थे। उनका इरादा बिल्कुल स्पष्ट था। रिश्तेदारों को ट्रेन में बैठाना है, उनका सामान व्यवस्थित करना है और ट्रेन रवाना होने से पहले घर लौट जाना है। यानी उन्हें रेलवे स्टेशन पर कुछ समय बिताना था, रेलयात्रा नहीं करनी थी।

वंदे भारत एक्सप्रेस के ऑटोमैटिक दरवाजे बंद हुए और ये बारह लोग ट्रेन के भीतर ही रह गए। दरवाजे बंद होने के बाद उन्हें बाहर निकलने का अवसर नहीं मिला। अभी वे इस अप्रत्याशित परिस्थिति को समझने की कोशिश ही कर रहे थे कि ट्रेन ने रफ्तार पकड़ ली। देखते ही देखते प्लेटफॉर्म पीछे छूट गया। जिस ट्रेन में वे अपने रिश्तेदारों को बैठाकर विदा करने आए थे, उसी ट्रेन ने उन्हें भी अपने साथ बैठा लिया।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका



अजय दीक्षित

भारत एक विशाल बाजार है। यहां करोड़ों उपभोक्ता हैं और देश में उत्पादन, व्यापार तथा रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद भारतीय बाजारों में विदेशी वस्तुओं, विशेषकर चीन में निर्मित सामान की बड़ी उपस्थिति दिखाई देती है। खिलौनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, सजावटी वस्तुओं, घरेलू उपयोग के सामान और त्योहारों में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं तक चीनी उत्पादों ने भारतीय बाजार में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि जब इन वस्तुओं का उत्पादन भारत में संभव है, तो हम अपने ही देश के उद्योगों और कारीगरों को पर्याप्त अवसर क्यों नहीं दे पा रहे हैं? समय की मांग है कि भारत सरकार चीनी सामान के आयात पर कठोर और प्रभावी नीति बनाए। जिन वस्तुओं का निर्माण भारत में पर्याप्त मात्रा में हो सकता है, उनके आयात को चरणबद्ध तरीके से सीमित किया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और घरेलू उद्योगों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक प्रतिबंध भी लगाए जाएं।

भारत में छोटे-छोटे उद्योग, कुटीर उद्योग, लघु व्यापारी और स्थानीय कारीगर रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दीपावली की सजावट, बिजली की झालरें, खिलौने, प्लास्टिक का सामान और अनेक घरेलू वस्तुएं यदि भारतीय उद्योगों में तैयार हों तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। लेकिन सस्ते आयातित सामान की प्रतिस्पर्धा में कई छोटे निर्माता और दुकानदार कठिनाइयों का सामना करते हैं।

यह केवल व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती और रोजगार से जुड़ा विषय है। जब हम देश में निर्मित वस्तुएं खरीदते हैं तो उसका लाभ भारतीय उत्पादकों, श्रमिकों, दुकानदारों, परिवहन व्यवसायियों और छोटे उद्यमियों तक पहुंचता है। इससे देश के भीतर आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।

सरकार को ऐसी औद्योगिक नीति बनानी चाहिए जिससे भारतीय कंपनियों को सस्ती बिजली, आसान ऋण, आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। केवल आयात पर प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और कीमत भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनानी होगी।

आज आवश्यकता है कि देश का प्रत्येक नागरिक खरीदारी करते समय यह विचार करे कि जिस वस्तु को वह खरीद रहा है, उसका निर्माण कहां हुआ है। यदि भारतीय उत्पाद उपलब्ध हैं और गुणवत्ता में बेहतर हैं तो उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्वदेशी का अर्थ केवल नारा लगाना नहीं, बल्कि भारतीय श्रमिकों, उद्यमियों और उद्योगों को आर्थिक सहयोग देना है।

सरकार को भी चीन सहित किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। साथ ही घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनुसंधान, तकनीक और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा। चीन से आने वाले उन उत्पादों पर उचित सीमा शुल्क, गुणवत्ता नियंत्रण और आवश्यकता के अनुसार आयात प्रतिबंध लागू किए जाएं जिनसे भारतीय उद्योगों को नुकसान पहुंचता है। यह नीति विश्व व्यापार के नियमों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के अनुरूप होनी चाहिए।

भारत को ऐसा बाजार बनना चाहिए जहां भारतीय उत्पादों को सम्मान और प्राथमिकता मिले। हमारा उद्देश्य किसी देश से व्यापारिक दुश्मनी करना नहीं, बल्कि अपने देश की उत्पादन क्षमता, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना होना चाहिए।

भारत की संपत्ति, भारत की मेहनत और भारत की पूंजी का अधिकाधिक लाभ भारत के नागरिकों को मिलना चाहिए। देश का पैसा देश में रहेगा तो उद्योग बढ़ेंगे, व्यापार मजबूत होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अब समय आ गया है कि हम केवल विदेशी वस्तुओं के उपभोक्ता बनकर न रहें, बल्कि विश्वस्तरीय वस्तुओं के निर्माता भी बनें। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना ही मजबूत अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। **(विनायक फीचर्स)**

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

दृष्टिकोणः देश की नीतियों पर सवाल या प्रायोजित राष्ट्रविरोधी आचरण



डॉ. सुधाकर आशावादी

इसे राष्ट्रविरोधी आचरण कहा जाए या राष्ट्रभक्ति, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन अपने ही देश की नीतियों पर कुतर्कों का सहारा लेकर सवाल खड़े करना उन तत्वों की नीयत पर प्रश्न खड़ा करता है, जिन्हें अपने देश में कुछ भी सकारात्मकता नजर नहीं आती। प्रश्न यह है कि जिसे अपने देश में अपनी एकपक्षीय सोच के चलते कभी सम्मान नहीं मिला, वह विदेशों में आयोजित प्रायोजित कार्यक्रमों के जरिए अपने देशवासियों और अंतरराष्ट्रीय जगत में क्या संदेश देना चाहता है। यदि वह अपने सियासी मंसूबों को पूरा करने के लिए देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की नीयत से ऐसा कर रहा है, तब उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही न किए जाने का औचित्य क्या है?

बात केवल किसी एक राजनीतिक दल या व्यक्ति की नहीं है। कोई भी राष्ट्र तब तक समृद्धि की सीढ़ियां नहीं चढ़ सकता, जब तक कि उसका प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के प्रति समर्पित आचरण न करता हो। विडंबना है कि राष्ट्र के सुरक्षा बलों के शौर्य, राष्ट्र के अर्थशास्त्रियों की योग्यता, राष्ट्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने का प्रयास करने वाले शासकों के सकारात्मक दृष्टिकोण को कटघरे में खड़ा करने का चलन बढ़ गया है। जिन्होंने कभी राष्ट्र में जनमानस के प्रति समान नीतियों का समर्थन नहीं किया, जिनकी राजनीतिक धरती उनके पैरों तले से खिसक चुकी है, जिनके प्रति जनविश्वास दम तोड़ चुका है, वे काल्पनिक आधार पर यदि देश की समूची व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा करते हैं, तब आम आदमी के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि ऐसे तत्वों के विरुद्ध अवहेलनापूर्ण अभियान चलाए, ऐसे तत्वों का सार्वजनिक रूप से बहिष्कार करे, ताकि वे अपने मानसिक संतुलन का परीक्षण कराने हेतु विवश हो जाएं तथा आम आदमी उनकी हरकतों से जनित प्रायोजित अराजकता से छुटकारा पा सके।

यहां इस सत्य को भी नहीं झुठलाया जा सकता कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सकारात्मक विपक्ष का मजबूत होना भी अनिवार्य है, ताकि शासक निरंकुश न हो सके, किंतु नादान और अविवेकी विपक्ष का होना राष्ट्र के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। देश के विपक्ष का अपने ही घर में बैठकर समस्याओं पर मंथन न करना, समस्या समाधान के प्रति गंभीर न होना भी गंभीर चिंता का विषय है।

प्रश्न यह भी है कि क्या विश्व के बड़े लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र चिंतन करने का दायित्व और अधिकार चंद सामंती परिवारों तक ही सीमित है? जो देश के समग्र विकास की योजनाएं न बनाकर सिर्फ अपने पारिवारिक साम्राज्य के विस्तार को स्वस्थ लोकतंत्र का प्रतीक मानता है। परिवर्तन के दौर में इस विषय पर व्यापक विचार विमर्श अपेक्षित है। **(विनायक फीचर्स)**

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

एक ही रात में तराशे पत्थर या दिव्य विवाह मंडप, बैजनाथ का रहस्य

रमाकान्त पन्त

देवभूमि उत्तराखंड की शांत और रहस्यमयी वादियों में जब भोर की पहली सुनहरी किरण हिमालय की हिमाच्छादित चोटियों को चूमती है, तो बागेश्वर जिले की कत्यूर घाटी में बहती गोमती और गरुड़ गंगा की कल-कल धारा एक अलौकिक संगीत रचती है। इसी पावन संगम के तट पर सदियों से अडिग खड़ा है भव्य बैजनाथ मंदिर समूह, जो अपने पाषाण स्तंभों के भीतर इतिहास, वास्तुकला, लोकश्रुति और ब्रह्मांडीय आस्था का ऐसा तिलिस्म समेटे हुए है, जिसे देखकर हर यात्री मंत्रमुग्ध हो जाता है।

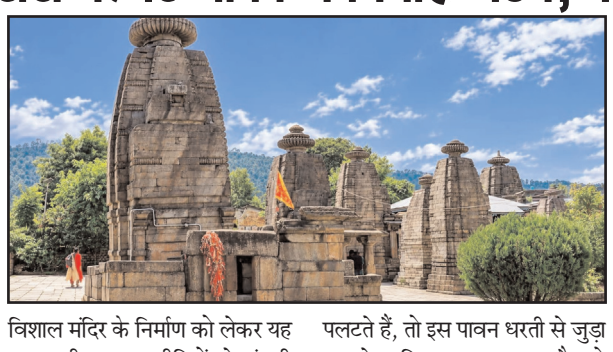

स्थानीय लोककथाओं में इस विशाल मंदिर के निर्माण को लेकर यह रहस्यमयी मान्यता पीढ़ियों से गूंजती रही है कि इसे किसी मानवीय शिल्पकार ने नहीं, बल्कि अदृश्य दिव्य शक्तियों ने एक ही रात में तराशकर खड़ा कर दिया था। लेकिन जब हम प्राचीन धर्मग्रंथ स्कन्दपुराण के मानसखंड (अध्याय 71) के पन्नों को पलटते हैं, तो इस पावन धरती से जुड़ा एक ऐसा दिव्य रहस्य खुलता है, जो इसकी महिमा को देवलोक तक ले जाता है।

बैजनाथ धाम की प्राकृतिक छटा किसी स्वर्गलोक की कल्पना को साकार करती प्रतीत होती है। चारों ओर से चीड़ और देवदार के सघन वनों से ढकी ऊंची-नीची पहाड़ियां, सीढ़ीदार खेतों की मखमली हरियाली, दूर क्षितिज पर चांदी-सी चमकती हिमालय की शृंखलाएं और मंदिर की प्राचीन सीढ़ियों को स्पर्श करती गोमती नदी की निर्मल जलधारा, यहां का कण-कण प्रकृति और अध्यात्म के अद्भुत संगम का साक्षी है।

स्कन्दपुराण में कथा का आरंभ तब होता है जब ऋषिगण महर्षि व्यास से पृथ्वी के उस दुर्लभ क्षेत्र का नाम पूछते हैं, जहां मनुष्यों के समस्त मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। महर्षि व्यास बताते हैं कि यही प्रश्न प्राचीन काल में कैलाश शिखर पर विराजमान भगवान शंकर से माता पार्वती ने भी किया था।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816

समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

वाराणसी में नहर किनारे मिला युवक का शव, हत्या का आरोप लगाकर परिजनों ने किया चक्काजाम

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी जिले के चोलापुर थाना क्षेत्र के अटेसुआ गांव में नहर किनारे एक युवक का शव मिला।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी मृतक की पहचान गांव निवासी राकेश राजभर (28) के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। वहीं, परिजनों ने युवक की हत्या कर शव नहर किनारे फेंके जाने की आरोप लगाया है।
परिजनों ने आरोप लगाया कि राकेश की हत्या कर शव को नहर किनारे फेंका गया है। उन्होंने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध जताया और चक्काजाम कर दिया। इससे मौके पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।
राकेश की मां मनी देवी का करीब दो माह पहले निधन हो गया था। उसकी शादी दो वर्ष पूर्व नीमा देवी से हुई थी। राकेश का छह माह का एक पुत्र भी है।
चोलापुर पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला की सिर कूचकर हत्या, आंगन में मिला शव

कौशांबी।
उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में कोखराज थाना क्षेत्र स्थित रसूलपुर गिरसा गांव में घर में अकेली रह रही 55 वर्षीय महिला की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। वारदात के वक्त परिवार के लोग भरवारी मेला देखने गए थे। देर रात घर लौटे तो आंगन में महिला का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।
रसूलपुर गिरसा निवासी राजमती (55) पत्नी गिरधारीलाल सरोज शनिवार को घर में अकेली थीं। उनके पति, चार बेटियां और दामाद भरवारी का मेला देखने गए थे। रात परिवार के लोग वापस लौटे तो घर के आंगन में राजमती का शव पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए। महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। मौके पर मिट्टी के चूल्हे में आग जल रही थी और पास में सब्जी कटी रखी थी। घर का मुख्य दरवाजा भी खुला हुआ था।
परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जुट गए। सूचना मिलते ही एसपी, एएसपी और सीओ समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया, फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
महिला की हत्या किसने और किस वजह से की, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है।

कैफे में परोसी जा रही थी अवैध रूप से शराब, मैनेजर गिरफ्तार

नोएडा।
जिला आबकारी विभाग ने सेक्टर 118 में चल रहे एक कैफे में बिना लाइसेंस के परोसी जा रही शराब को बरामद किया है। मौके से विभाग ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में शराब बरामद की है।
जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार बीती रात को आबकारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। उन्हें सूचना मिली कि सेक्टर 118 में स्थित एक कैफे में बिना अनुमति की देर रात को शराब परोसी जा रही है। उन्होंने अपनी टीम के साथ वहां पर छापेमारी की।

मां को अंतिम विदाई देते समय आंखे हुईं नम: पार्थिव शरीर के पास रातभर बैठे रहे सीएम योगी





ऋषिकेश
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी मां सावित्री देवी के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मां के अंतिम दर्शन करके रो पड़े।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपनी मां सावित्री देवी को अंतिम विदाई देते समय भावुक हो गए। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित पैतृक गांव पंचूर में उन्होंने मां के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मुख्यमंत्री कई बार रूमाल से आंसू पोंछते नजर आए। इसके बाद उन्होंने मां की अर्थी को कंधा दिया। अंतिम यात्रा पंचूर गांव से हरिद्वार के चंडीघाट के लिए रवाना हुई, जहां सावित्री देवी का अंतिम संस्कार किया जाना है।
सीएम योगी ने अपनी मां की अर्थी को दिया कंधा - फोटो : पीटीआई
सावित्री देवी का शुक्रवार को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। मां के निधन की खबर मिलने के बाद से ही मुख्यमंत्री परिवार के बीच मौजूद थे। शनिवार को अंतिम दर्शन के दौरान वह कुछ देर तक मां के पार्थिव शरीर के पास खड़े रहे और एकटक उन्हें निहारते रहे। उन्होंने परिजनों और मां की देखभाल करने वालों से उनके अंतिम समय के बारे में भी जानकारी ली।
सीएम योगी ने अपनी मां को दी श्रद्धांजलि - फोटो : पीटीआई
बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रातभर मां के पार्थिव शरीर के पास बैठे रहे। इस दौरान उन्होंने अन्न-जल भी ग्रहण नहीं किया। शनिवार को मां की अंत्येष्टि और अन्य पारिवारिक रस्में पूरी करने के बाद उन्हें लखनऊ लौटना है।
अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री शनिवार दोपहर 2:15 बजे तक उत्तराखंड में रहने वाले थे। इसके बाद उन्हें लखनऊ के लिए रवाना होना था। लखनऊ में शाम 5:30 बजे से 6:45 बजे तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शामिल होना था।
सावित्री देवी लंबे समय से बीमार चल रहीं थीं। पिछले तीन वर्षों से अधिक परेशानी होने के कारण उन्हें एक बार एम्स ऋषिकेश में और एक बार जौलीग्रांट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोनों बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी मां को देखने अस्पताल पहुंचे थे।
योगी बीती 7 मई को पंचूर गांव पहुंचे थे और 8 मई को वापस चले गए थे। उस दौरान उन्होंने अपनी मां से अंतिम बार मुलाकात की थी। परिजनों के अनुसार सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार स्थित चंडी घाट पर किया जाएगा, यही पंचूर गांव का पैतृक घाट है।
दूसरा बड़ा पारिवारिक दुख
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए यह दूसरा बड़ा पारिवारिक दुख है। इससे पहले अप्रैल 2020 में उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन हुआ था।

उच्चतम न्यायालय के जज ने शक्तिपीठ मां विशालाक्षी के दरबार में लगाई हाजिरी



वाराणसी।
भारत के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने शनिवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के मीरघाट स्थित शक्तिपीठ माता विशालाक्षी के दरबार में परिवार के साथ हाजिरी लगाई।
51 शक्तिपीठ में शामिल जागृत विशालाक्षी माता के मन्दिर में शीश नवाकर न्यायमूर्ति ने मंगल कामना की। इस अवसर पर मंदिर के महंत पं सुरेश कुमार तिवारी ने षोडशोपचार विधि से उनके हाथों माता की पूजन कराया। न्यायमूर्ति ने सपत्नीक मां की आरती उतारकर दंडवत प्रणाम कर कुशल-मंगल की प्रार्थना की। पूजन के बाद महंत पं सुरेश तिवारी ने उन्हें अंग वस्त्रम व उनकी पत्नी को साड़ी और प्रसाद देकर आंचल भरकर आशीर्वाद दिया। यहां से न्यायमूर्ति ने त्रिपुरा भैरवी स्थित मां वाराही देवी मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वह गन्तव्य की ओर रवाना हो गए। दर्शन पूजन के दौरान सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था रही। दशाश्वमेध थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह अपने मातहतों संग गलियों में चक्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले रहे।

मुद्दों पर आवाज उठाते समय संयम बरतें कार्यकर्ता: धर्मेंद्र यादव



बलिया।
उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में मुलायम सिंह यादव की स्मृति में शुक्रवार की रात आयोजित कवि सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि आजमगढ़ के समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद धर्मेंद्र यादव ने देश और प्रदेश की राजनीति से भाजपा को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुद्दों को मुखरता से उठाते समय संयम बरतने की भी नसीहत दी।
उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की भ्रष्ट भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प बलिया से लिया जाएगा। क्योंकि यह संघर्षों की धरती है। जयप्रकाश नारायण, जनेश्वर मिश्र और चंद्रशेखर का जिक्र करते हुए कहा कि देश और समाज को जब भी जरूरत पड़ी है, बलिया आगे रहा है।
उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि देश से भाजपा को हटाने की शुरूआत 2027 में यूपी से होने जा रही है। इसके लिए कमर कस लेनी है। सांसद धर्मेंद्र यादव ने सभागार में मौजूद हजारों सपा कार्यकताओं को नसीहत देते हुए कि अच्छे आचरण के साथ जनता के मुद्दों पर मुखरता से आवाज उठानी है। धर्मेंद्र यादव पूरी रात कवियों और शायरों को सुनते रहे। इस मौके पर सांसद राजीव राय, सांसद रमाशंकर राजभर, पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी, विधायक संग्राम यादव, जयप्रकाश अंचल आदि थे।

बलिया में मुलायम सिंह यादव की याद में आयोजित कवि सम्मेलन में बही गंगा-जमुनी बयार



बलिया।
समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक स्व.मुलायम सिंह यादव की जयंती के उपलक्ष्य में गंगा बहुद्देशीय सभागार में शुक्रवार की रात्रि आयोजित कवि सम्मेलन व मुशायरा में गीतों, गजलों और ठहाकों के बीच सियासी तीर भी चले।
बतौर मुख्य अतिथि आजमगढ़ के सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने नेता जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कवि सम्मेलन को औपचारिक शुरूआत की गई। सबसे पहले युवा कवि गजेंद्र प्रियांशु ने सरस्वती वंदना 'मैं जो भी गुन गुनाऊं मां तुम्हारी वंदना हो... ' सुनाकर कवि सम्मेलन को शुरूआत दी।
कानपुर की शायरा शाइस्ता सना ने 'मेरा महबूब है मजदूर मगर अपनी कुटिया में भी मुझे रानी की तरह रखा है...' और 'मेरी दो-दो सहेलियां हैं एक हिंदी है एक उर्दू है...' व 'इश्क लिख कर के कलम तोड़ दिया जाता है' सुना कर खूब वाहवाही बटोरी।
शायर चरण सिंह बशर ने 'ये जिंदगी के मशायल खुद ही हल हो जाएं हम अपनी अपनी किताबों की बातें मानें तो... सुनाकर माहौल में गंगा जमुनी तहजीब की छाप छोड़ी। इसके अलावा मदन मोहन दानिश, सर्वेश अस्थाना, अशोक चारण, बादशाह प्रेमी ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को जमकर गुदगुदाया। अतिथियों का स्वागत जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद चौधरी ने अंगवस्त्र देकर किया।
इस मौके पर सांसद राजीव राय, सांसद रमाशंकर राजभर, विधायक संग्राम यादव, जयप्रकाश अंचल, तारकेश्वर मिश्र, अमित यादव आदि थे। पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन का संचालन मशहूर कवियत्री डा. सरिता शर्मा ने किया। अध्यक्षता अकील नोमानी ने किया।

यूपी : पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एंबुलेंस की खड़ी पिकअप में टक्कर, पांच की मौत

बाराबंकी।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। थाना सुबेहा क्षेत्र में किलोमीटर 53.3 के पास तेज रफ्तार एंबुलेंस ने सड़क किनारे खड़ी पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एंबुलेंस सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी हैदरगढ़ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।
पुलिस के मुताबिक, एंबुलेंस संख्या (आरजे 14 पीएफ 8529) पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी। इसी दौरान उसने खड़ी पिकअप संख्या (यूपी 78 जेटी 6480) में पीछे से टक्कर मार दी। एंबुलेंस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।
सड़क हादसे में जान गंवाने वाले बिहार के समस्तीपुर निवासी अशोक शर्मा का शव रखा था। उनके परिजन शव लेकर गांव में अंतिम संस्कार के लिए जा रहे थे। हादसे में अशोक शर्मा के बेटे राजकुमार शर्मा उर्फ सतीश शर्मा, रवि शर्मा, फूलो शर्मा और एंबुलेंस के दोनों चालक सरफराज व आबिद की मौत हो गई।
घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने घटना पर दुःख जताते हुए कहा कि हादसे के कारणों की जांच कराई जा रही है और सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।
वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने तथा मृतकों के परिजनों से संवाद कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिक्योरिटी एजेंसी के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर 77 लाख 89 हजार की धोखाधड़ी



नोएडा।
थाना साइबर क्राइम में एक फैक्ट्री के मालिक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके एकाउंटेंट ने मिली भगत कर उसके जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर करीब 77 लाख 89 हजार 663 रुपए का चूना लगाया है। पीड़ित को इस बात की जानकारी तब हुई जब जीएसटी विभाग ने उन्हें नोटिस भेजा।
पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि सुमित कुमार ने शनिवार सुबह थाने साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी सूरजपुर में एक सुरक्षा एजेंसी चलाने की कंपनी है। पीड़ित के अनुसार, जीएसटी विभाग ने उन्हें नोटिस दिया कि उन्होंने करीब 70 लाख 89 हजार 663 रुपए का टैक्स चोरी की है। पीड़ित ने जब जांच किया तो पता चला कि किसी ने धोखे से उनका फोन का एक्सेस प्राप्त कर ओटीपी हासिल कर लिया और उनके फर्म की जीएसटी नंबर का गलत इस्तेमाल करके कई अनजान कंपनियों को टैक्स का लाभ पहुंचाया। जिन कंपनियों के नाम पर यह फर्जी लेनदेन दिखाया गया, जबकि उनसे उनकी कंपनी का कोई लेना देना नहीं है। ना ही कोई व्यापारिक संबंध है।
उन्होंने बताया कि इन कंपनियों से उनकी कोई व्यक्तिगत पहचान भी नहीं है।
पीड़ित ने अपने अकाउंटेंट सौरभ झां पर शक जाहिर किया है कि उसने उनकी फोन की ओटीपी ऑनलाइन साइबर क्राइम के माध्यम से प्राप्त कर, उसका गलत प्रयोग करके यह घोटाला किया है।
डीसीपी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मतदाता सूची में एक भी पात्र नागरिक न छूटे, युवाओं-महिलाओं पर विशेष फोकस : निर्वाचन आयुक्त

युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश, मतदान कार्मिकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने पर जोर

मीरजापुर।
भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त विवेक जोशी ने शुक्रवार को अष्टभुजा निरीक्षण गृह के सभागार में निर्वाचन संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची शुद्ध और त्रुटिरहित बनाई जाए। कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहने पाए।
बैठक में आयुक्त ने कहा कि महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों में शिविर लगाकर युवाओं से फार्म-6 भरवाएं और उनका नाम मतदाता सूची में शामिल



कराएं। भर्ती रैलियों में भी ऐसे अभियान चलाए जाएं। जिन विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं का अनुपात कम है, वहां विशेष अभियान चलाकर पात्र महिलाओं का पंजीकरण कराया जाए। इसके लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का भी सहयोग लेने को कहा।
उन्होंने मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों तक व्यापक रूप से पहुंचाने तथा फार्म-8 से जुड़े संशोधन कार्यों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में बीएलओ की महत्वपूर्ण भूमिका है।
आयुक्त ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए निर्वाचन कार्मिकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता न हों।

पश्चिमी यूपी में 27 नवंबर तक मौसम रहेगा शुष्क, पूर्वांचल में दो दिन छाएगा घना कोहरा

21 और 22 नवंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना, सुबह के समय दृश्यता हो सकती है प्रभावित

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश में अगले सात दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 21 और 22 नवंबर को हल्की बारिश अथवा बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं। वहीं, सुबह के समय कई स्थानों पर हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने 22 और 23 नवंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना जताई है।
भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से शनिवार को जारी मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 21 से 27 नवंबर तक मौसम शुष्क रहने की बहुत अधिक संभावना है। इस दौरान सुबह के समय कहीं-कहीं छिछला से मध्यम कोहरा छा सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 21 नवंबर को कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। सुबह के समय कहीं-कहीं छिछला कोहरा भी छा सकता है। 22 नवंबर को भी कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने तथा 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं।
मौसम विभाग के मुताबिक, 23 नवंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि सुबह के समय कहीं-कहीं मध्यम कोहरा छा सकता है। 24 से 27 नवंबर तक पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान सुबह के समय कुछ स्थानों पर हल्का कोहरा छाया रह सकता है।
सुबह के कोहरे को लेकर रहें सतर्क
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार, मौसम में बदलाव के साथ सुबह और रात के तापमान में गिरावट का असर महसूस होने लगा है। अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय कोहरा छाने की स्थिति बनी रह सकती है।
ऐसे में सुबह जल्दी यात्रा करने वाले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।
वाहन चलाते समय गति नियंत्रित रखें और कोहरे में फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। किसानों को भी मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है।

हाथरस : विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना का कराया सामूहिक वाचन, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति किया जागरूक

हाथरस।
उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सादाबाद इंटर कॉलेज में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय की प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।
कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट नेपाल सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और



शिक्षा सहित अनेक मौलिक अधिकार प्रदान करता है। इन अधिकारों के साथ प्रत्येक नागरिक की कुछ जिम्मेदारियां और कर्तव्य भी हैं, जिनका निष्ठापूर्वक पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों का सम्मान करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए।
इस दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट ने छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया। साथ ही न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता जैसे संवैधानिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

सहारनपुर पहुंचे ओवैसी: सांसद चंद्रशेखर आजाद भी रहे साथ; डीएम से मुलाकात के बाद छुटमलपुर जाएंगे दोनों नेता



सहारनपुर

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी शनिवार को सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ सहारनपुर पहुंचे। दोनों नेता सर्किट हाउस से कलक्ट्रेट जाकर जिलाधिकारी से मुलाकात करेंगे।

एआईएमआईएम प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी शनिवार को सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ सहारनपुर पहुंचे। दोनों नेता सर्किट हाउस पहुंचे, जहां से उनका अगला कार्यक्रम कलक्ट्रेट जाकर जिलाधिकारी से मुलाकात करने का है। इसके बाद दोनों नेता छुटमलपुर के लिए रवाना होंगे। यहां चंद्रशेखर आजाद के आवास पर साथ में दोपहर का भोजन करेंगे।

ओवैसी के इस दौरे को लेकर जिले के राजनीतिक हलकों में चचाएं तेज हो गई हैं। उनके साथ नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद की मौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

सर्किट हाउस पहुंचे दोनों नेता

शनिवार को सहारनपुर पहुंचने के बाद असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस पहुंचे। यहां से दोनों का कलक्ट्रेट जाने का कार्यक्रम है, जहां वे जिलाधिकारी से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोनों नेता छुटमलपुर के लिए रवाना होंगे।

चंद्रशेखर के आवास पर करेंगे लंच

सहारनपुर में जिलाधिकारी से मुलाकात के बाद ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद छुटमलपुर स्थित सांसद के आवास पर पहुंचेंगे।

यहां दोनों नेता साथ में लंच करेंगे।

गठबंधन के बाद दोनों नेताओं की मुलाकात को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। हालांकि, मुलाकात में किन मुद्दों पर चर्चा होगी, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

सीएम योगी की मां के निधन पर इमरान मसूद ने जताया दुख, मोहम्मद सिराज के चयन पर उठाए सवाल



सहारनपुर

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने मोहम्मद सिराज को भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलने पर चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि टीम में चयन प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिए। सीएम योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर भी दुख जताया।

सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भारतीय टेस्ट टीम में क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिलने के मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सिराज के चयन से बाहर होने के बाद उनके साथ भेदभाव के आरोपों पर मसूद ने कहा कि भारतीय टीम में खिलाड़ियों का चयन प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिए। यदि कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है तो उसके चयन में इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि वह कहां से आता है।

प्रदर्शन के आधार पर हो खिलाड़ियों का चयन

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि मोहम्मद शमी, सरफराज और कई अन्य खिलाड़ी भी हैं। टीम में चयन का आधार खिलाड़ी का प्रदर्शन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी अच्छा खेल रहा है तो उसकी पृष्ठभूमि या वह कहां से आता है, यह चयन में बाधा नहीं बनना चाहिए।

मोहम्मद सिराज को टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद चयन प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। इसी संदर्भ में मसूद ने अपनी बात रखते हुए निष्पक्ष चयन की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना था कि भारतीय टीम में जगह पाने के लिए खिलाड़ी के प्रदर्शन को ही प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर जताया दुख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी के निधन पर भी इमरान मसूद ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। मां का होना और उनका साथ मिलना जीवन में सुरक्षा कवच की तरह होता है। यह बहुत बड़ा आशीर्वाद है।

मसूद ने कहा कि योगी आदित्यनाथ भाग्यशाली रहे कि उन्हें लंबे समय तक अपनी मां का साथ मिला।

उच्च न्यायालय ने पूर्व आईएएस प्रमोद चंद्र गुप्ता के खिलाफ अभियोजन मंजूरी और 2019 की रिपोर्ट रद्द की

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के पूर्व सीईओ और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रमोद चंद्र गुप्ता को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी का 21 अगस्त 2025 का आदेश और 15 मार्च 2019 की रिपोर्ट रद्द कर दी है। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया।



मामला हाथरस के गांव मिधावली में 7 प्रतिशत आवासीय भूखंड योजना के लिए खरीदी गई करीब 14.4896 हेक्टेयर जमीन से जुड़ा है। आरोप है कि बाहरी लोगों ने किसानों से सस्ती दर पर जमीन खरीदी और बाद में यीडा को ऊंचे दाम पर बेच दी, जिससे प्राधिकरण को करीब 23.92 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसी आधार पर गौतमबुद्ध नगर के थाना कासना में एफआईआर दर्ज हुई थी।

कोर्ट ने कहा कि सैंक्शन आदेश में यह नहीं दिखता कि मंजूरी देने वाले प्राधिकारी ने बोर्ड के निर्णयों और अन्य संबंधित दस्तावेजों पर स्वतंत्र रूप से विचार किया। वहीं 2019 की रिपोर्ट के बारे में कोर्ट ने पाया कि उसमें निष्कर्षों का तर्कसंगत आधार स्पष्ट नहीं है और याचिकाकर्ता को पक्ष रखने का प्रभावी मौका दिए जाने का रिकॉर्ड भी नहीं मिला।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह फैसला आरोपों के सही या गलत होने पर कोई राय नहीं है और न ही इससे याचिकाकर्ता को दोषमुक्ति मिली है। सक्षम प्राधिकारी नए सिरे से विचार कर सकता है, और यीडा नए तथ्य सामने आने पर नई जांच शुरू कर सकता है। नई कार्रवाई से पहले गुप्ता को सामग्री देकर जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देना होगा।

एफआईआर और आरोप-पत्र रद्द नहीं हुए हैं, लेकिन मुकदमे की आगे की कार्यवाही 12 सप्ताह के लिए स्थगित रहेगी।

10-10 लाख रुपये से हर वार्ड में सड़क-पुलिय और नालियों की मरम्मत, मुरादाबाद नगर निगम का 1296 करोड़ का बजट पास

मुरादाबाद।

नगर निगम की कार्यकारिणी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1296.51 करोड़ रुपये का पुनरीक्षित बजट पास कर दिया है। इसमें 1457.20 करोड़ रुपये की कुल आय के सापेक्ष 1296.51 करोड़ रुपये व्यय का अनुमान है। इस तरह वित्तीय वर्ष के अंत तक करीब 160.69 करोड़ रुपये की बचत होने की संभावना है।



बैठक में शहर के सभी 70 वार्डों में सड़क, पुलिया और नालियों की बदहाल स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठा। प्रत्येक वार्ड में 10-10 लाख रुपये से सड़क और पुलिया की मरम्मत कराने का निर्णय लिया गया।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि इन कार्यों के टेंडर निकालकर 15 दिसंबर कार्य आदेश जारी कर दिए जाएं। जल निगम और टोरंट गैस की ओर से बिना अनुमति सड़कें खोदने पर नोटिस और जुमार्ना लगाने के निर्देश भी दिए गए।

निगम के पुनरीक्षित बजट में 160.69 करोड़ रुपये की बचत होने की संभावना महापौर विनोद अग्रवाल के कैंप कार्यालय पर उनकी अध्यक्षता में हुई बैठक में पुनरीक्षित बजट प्रस्तुत किया गया।

वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रारंभिक अवशेष 260.40 करोड़ रुपये और अनुमानित आय 1196.56 करोड़ रुपये है। दोनों को मिलाकर कुल आय 1457.20 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसके सापेक्ष कुल व्यय 1296.51 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

पांच साल तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर पिलाएं : सीएमओ

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में 22 नवंबर से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान में पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा से वंचित न रहे। अभिभावक, जनप्रतिनिधि और आमजन अभियान में सहयोग करें। यह अपील शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ हरि दत्त नेमी ने काशीराम चिकित्सालय से निकाली गई जागरूकता रैली के दौरान की है।

पल्स पोलियो अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए शनिवार को काशीराम चिकित्सालय से जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली रामादेवी चौराहा होते हुए मनोज इंटरनेशनल पहुंची और वहां से वापस काशीराम चिकित्सालय आकर संपन्न हुई।

रैली में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों को पोलियो से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस दौरान डीटीओ, डीआईओ, एनयूएचएम नोडल अधिकारी, डीएसओ, अर्बन आरआई नोडल अधिकारी, एडीआईओ, डीपीएम, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर और प्रोग्राम ऑफिसर जेएसआई अर्बन हेल्थ प्रोग्राम्स सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभियान के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंच बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें और संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करेंगे। विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर पिलाएं और अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

उच्च न्यायालय ने होमगार्ड भर्ती के अभ्यर्थियों की याचिका निस्तारित की

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने होमगार्ड भर्ती से जुड़ी 23 अभ्यर्थियों की याचिका को निस्तारित करते हुए पुलिस भर्ती बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह अभ्यर्थियों के प्रत्यावेदन पर कानून के अनुसार शीघ्र निर्णय ले। न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकल पीठ ने यह आदेश पारित किया।

सचिन यादव और 22 अन्य याचियों ने याचिका दाखिल कर होमगार्ड पद पर चयन में अपनी अभ्यर्थिता पर विचार करने की मांग की थी। याचियों ने कोर्ट से आग्रह किया था कि अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष उनकी दोबारा शारीरिक मानक परीक्षा यानि पुनः माप कराई जाए और पात्र पाए जाने पर उन्हें नियुक्ति के लिए विचार में लिया जाए। साथ ही तीन अगस्त 2026 और चार अगस्त 2026 को दिए गए प्रत्यावेदनों पर निर्णय लेने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी।

याचियों के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि शिकायतों के निवारण के लिए याचियों ने प्रतिवादी संख्या-2 के समक्ष कई प्रत्यावेदन दिए लेकिन आज तक उनका निस्तारण नहीं हुआ। उन्होंने प्रत्यावेदनों को तय करने के लिए समय-सीमा निर्धारित करने का अनुरोध किया।

मुरादाबाद : 280 व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं 5 या अधिक ई-रिक्शा

मुरादाबाद।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 280 लोगों के नाम 5 या उससे अधिक ई रिक्शा पंजीकृत हैं। इसका खुलासा जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की मासिक समीक्षा बैठक में शुक्रवार को हुआ।

बैठक में जिलाधिकारी ने ऐसे व्यक्तियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे, जिनके नाम पर 05 या उससे अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हैं।

इस संबंध में विभागीय स्तर से प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार जनपद में 280 ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है, जिनके नाम पर 05 या उससे अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हैं।

शटरिंग कारोबारी की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में मऊआइमा थाना क्षेत्र के विशानी उर्फ शिकोहाबाद मजरा लोकापुर गांव में शुक्रवार देर शाम एक शटरिंग कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत विशानी उर्फ शिकोहाबाद मजरा लोकापुर मे शुक्रवार शाम चाय पान की दुकान पर बैठे शटरिंग कारोबारी लोकापुर निवासी विजय लाल उर्फ मिंटू पटेल 30 वर्ष पुत्र कन्हई लाल शटरिंग का कारोबार करता था।

सात फेरों से पहले पहुंची महिला ने किया ऐसा दावा, सामूहिक विवाह में मच गया बवाल

अलीगढ़।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शहरी क्षेत्र में हो रहे वैवाहिक समारोह में अचानक एक महिला के आने पर हंगामा खड़ा हो गया। गंगा सेलिब्रेशन आगरा रोड पर समारोह के बीच में आई महिला का दावा था कि जिस व्यक्ति की शादी कराई जा रही है, वो उसका पति है। दूसरी शादी कैसे कराई जा सकती है? शादी के जोड़े में सजी लड़की से जब इस संबंध में पूछा गया तो उसने इस प्रकरण से अनभिज्ञता जताई।



महिला के दावे व लड़की की अनभिज्ञता जताने के बाद हंगामा बढ़ गया। दो पक्षों में मारपीट जैसी नौबत आ गई। अधिकारियों व लोगों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। अंत में इस एक जोड़े का विवाह रोक दिया गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक जोड़े की शादी पर हंगामा हो गया

दोनों पक्षों को समझाने के दौरान कहासुनी फिर बढ़ गई। महिला ने वर बने व्यक्ति के साथ अपने वैवाहिक संबंधों का हवाला देते हुए इस नए विवाह पर आपत्ति जताई।

जिला समाज कल्याण अधिकारी विनीत मलिक ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत विभाग द्वारा मुख्य रूप से योजना की पात्रता के अनुरूप वधु एवं उसके परिवार का सत्यापन किया जाता है। इसमें वधु की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होना, उसका पूर्व से विवाहित न होना तथा परिवार की वार्षिक आय निर्धारित सीमा (वर्तमान में तीन लाख रुपये तक) के अंतर्गत होना और जिले का निवासी होना प्रमुख पात्रता शर्तें हैं।

महिला ने खुद को बताया पत्नी, दूसरी शादी के आरोप पर तीखी नोकझोंक

प्रकरण में वधु सामुहिक विवाह योजना की पात्र थी। वहीं, वर के संबंध में योजना के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम आयु 21 वर्ष का परीक्षण किया जाता है। योजना के अंतर्गत विभागीय पात्रता सत्यापन की प्रक्रिया में वर के पूर्व वैवाहिक जीवन अथवा पूर्व वैवाहिक संबंधों की स्थिति के संबंध में अलग से जांच का प्रविधान नहीं है।

बनारस में सस्ती हो गई मटर, आम आदमी की थाली में लौटा निमोना और मटर चूड़ा का स्वाद

वाराणसी।

नवंबर माह के दूसरे पखवारे की शुरूआत के साथ ही कोहरे का दौर भी शुरू हो चुका है। अब ठंड अपने चरम की ओर बढ़ने लगी है ऐसे में ठंडक की सब?जि?यां भी बाजार का रुख करने लगी हैं। ठंड के मौसम में मिलने वाली जायकेदार मटर अब आम आदमी की पहुंच में अब आने लगी है।

हरी मटर के दाम कम होने से निमोना, मटर चूड़ा और घुघुरी का स्वाद भी लोगों को मिलने लगा है। करीब दो महीने पहले देहरादून की



पहाड़ी मटर की आमद के साथ मंडी में इसकी बिक्री शुरू हुई थी। उस समय मटर की शुरूआती कीमत 200 से 250 रुपये किलो तक थी, जो धीरे-धीरे घटकर अब 50 रुपये किलो थोक में पहुंच गई है।

पहड़िया मंडी, लालपुर मंडी, भोजूबीर मंडी सहित लमही मंडी में इस समय मटर के खरीदारों की धूम है। मटर विक्रेता भोला जायसवाल, विक्की गुप्ता, अश्विनी पटेल, प्रमोद सोनकर ने बताया कि इस समय जबलपुर और पंजाब से आने वाली मटर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कारोबारि?यों के अनुसार स?थानीय मटर आने में अभी पखवारे भर का समय और शेष है इसके बाद तेजी से भाव में कमी आएगी।

औरैया : बहन की डोली उठते ही भाई की मौत, शादी की खुशियां मातम में बदलीं

भाई का शव देख बेसुध हुई बहन, पांच माह के मासूम के सिर से उठा पिता का साया

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मौहारी में एक हृदयविदारक घटना ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। घर में बहन की शादी की रस्में चल रही थीं। बारात का स्वागत हुआ और धूमधाम से विवाह संपन्न हुआ। बेटी की विदाई के बाद परिवार अभी खुशियों के माहौल से उबर भी नहीं पाया था कि भाई की मौत की खबर आ गई। जिस घर से कुछ देर पहले बहन की डोली उठी थी, उसी घर से भाई की अर्थी उठने की तैयारी होने लगी। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

ग्राम मौहारी निवासी प्रमोद नागर उर्फ राजू नागर वर्तमान में बीएसएफ में तैनात हैं। उनकी बेटी ज्योति का विवाह दिवियापुर निवासी युवक के साथ तय हुआ था।

20 नवंबर को गांव स्थित जानकी गेस्ट हाउस में विवाह समारोह आयोजित किया गया था। परिवार के लोग शादी की तैयारियों में जुटे थे।

मुजफ्फरनगर: दुल्हन की विदाई में बरातियों ने चलाए पटाखे, चिंगारी से बारदाने के गोदाम में लगी भीषण आग

मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश):

जिले के नई मंडी कोतवाली क्षेत्र स्थित कुकड़ा चौराहे के पास शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक शादी समारोह में दुल्हन की विदाई के दौरान चलाए गए पटाखों की चिंगारी से पास स्थित प्लास्टिक के कट्टों (बारदाने) के गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम में रखा करोड़ों रुपये का माल जलकर खाक हो गया।

विदाई की आतिशबाजी बनी हादसे की वजह

प्रत्यक्षदर्शियों और दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार, नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के कुकड़ा चौराहे के पास कारोबारी मनोज खंडेलवाल का



प्लास्टिक के कट्टों और बारदाने का बड़ा गोदाम है। इस गोदाम के ठीक बगल में 'देवलोक' और सामने 'मधुर मिलन' नाम के बैंक्वेट हॉल (वेडिंग पार्टी रेस्टोरेंट) स्थित हैं। शनिवार सुबह के समय बैंक्वेट हॉल से दुल्हन की विदाई हो रही थी। इसी दौरान उत्साह में कुछ बरातियों ने सड़क पर जमकर पटाखे जलाए और आतिशबाजी की। आशंका जताई जा रही है कि इन्हीं पटाखों से उड़ी एक चिंगारी पास स्थित बारदाने के गोदाम में जा गिरी, जिससे अंदर रखे प्लास्टिक के कट्टों ने आग पकड़ ली।

आसमान में छाया काले धुएं का गुबार, कारोबारी की बिगड़ी हालत

गोदाम के भीतर प्लास्टिक की बोरियां और बारदाना भारी मात्रा में होने के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और काले धुएं का घना गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे आसपास के रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों में दहशत फैल गई। दैनिक भास्कर की खबर के मुताबिक, अपने गोदाम को धू-धू कर जलता देख और करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका से कारोबारी की तबीयत भी बिगड़ गई।

दमकल की गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

घटना की सूचना मिलते ही नई मंडी कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग को कई फायर टैंकरों (5 से 12 गाड़ियों तक) को मौके पर बुलाना पड़ा। दमकलकर्मियों ने आसपास की इमारतों और बैंक्वेट हॉल को आग की चपेट में आने से बचाते हुए घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

नुकसान का आकलन और जांच जारी

लाइव हिन्दुस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, इस अग्निकांड में गोदाम के भीतर रखा करीब एक से दो करोड़ रुपये से अधिक का प्लास्टिक और बारदाने का सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया है, साथ ही गोदाम के ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है।



'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व का संदेश

मुंबई फिल्म 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, 'यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।'

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म 'रॉकी' कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना 'आई ऑफ द टाइगर' मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।'

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और 'आई प्ले रॉकी' के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।

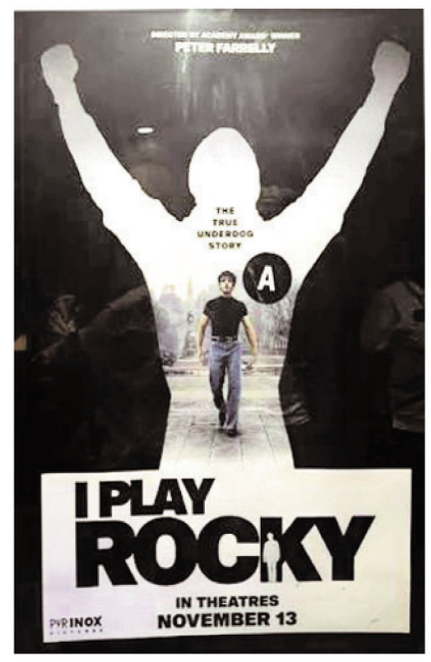

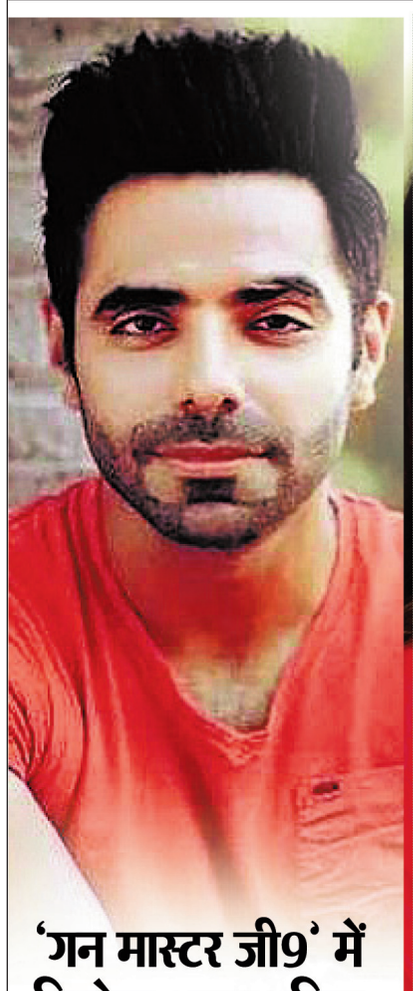

'गन मास्टर जी9' में दिखेगा अपारशक्ति का खतरनाक अवतार

जब भी अपारशक्ति खुराना का नाम आता है, तो सबसे पहले स्त्री के प्यारे और मजेदार दोस्त बिट्टू की याद आती है, जो 'सॉफ्ट चिट्ठी, वॉर्म चिट्ठी' कहते नजर आते हैं। लेकिन अब अपारशक्ति ने अपने इस पुराने अंदाज को पीछे छोड़ दिया है। 'गन मास्टर जी9' में वह एक ऐसे खतरनाक विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं!

फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसमें अपारशक्ति का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इतना तो तय है कि फिलहाल बिट्टू की मासूमियत को भूल जाइए, क्योंकि अब पर्दे पर उनका खतरनाक अंदाज छाने वाला है।

फिल्म में अपारशक्ति की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि वह इस बार एक अलग ही रूप में नजर आने वाले हैं। उनकी डरावनी नजरें, चेहरे के भाव और डायलॉग बोलने का अंदाज उनके किरदार को और भी खतरनाक बनाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्शन के मामले में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। उनके लड़ाई वाले दृश्य और जबरदस्त अंदाज उनके किरदार में एक अलग ही रोमांच पैदा करते हैं। फिल्म में अपारशक्ति, इमरान हाशमी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आते हैं। ऐसे में दोनों के बीच होने वाली टक्कर को पर्दे पर देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। अपारशक्ति का लुक भी उनके इस नए किरदार को खास बनाता है। कंधों तक लंबे और बिखरे हुए बाल, रंग-बिरंगी प्रिंट वाली शर्ट, धातु के फ्रेम वाला चश्मा और बोलने का अलग अंदाज उनके किरदार को एकदम देसी और खुरदरा रूप देते हैं। खास बात यह है कि अपारशक्ति अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए न तो किसी बड़े फिल्मी अंदाज में एंट्री लेते हैं और न ही ऊंची आवाज में चिल्लाते हैं। उनका अंदाज और उनका बेखौफ व्यक्तित्व ही उनकी मौजूदगी का एहसास करा देता है। ट्रेलर देखकर तो यही लगता है कि बॉलीवुड में अब विलेन के किरदारों को एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है और अपारशक्ति इस बदलाव की एक शानदार मिसाल बनने वाले हैं! 'गन मास्टर जी9 आगामी 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना 'बिल्कुल सही नहीं' है

'जेलर 2' की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना 'बिल्कुल सही नहीं' है। खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे।

अपेक्षा से पूछा गया, 'आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं?'

यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं।'

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चैट शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 9 में आने के दौरान 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



ग्लोबल म्यूजिक स्टेज पर दोसांझ, दुआ लीपा और मैडोना संग परफॉर्म करेंगे दिलजीत दोसांझ

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने म्यूजिक से इंटरनेशनल स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दिलजीत दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल 2027 में परफॉर्म करते नजर आएंगे। फेस्टिवल के आयोजकों ने अगले साल होने वाले इस इवेंट की कलाकारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें दिलजीत के साथ दुआ लीपा, टेम इम्पाला और एसजेडए जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना, जेआईएसओ, फोएबे ब्रिजर्स और रोबिन भी इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी। कोचेला 2027 का आयोजन कैलिफोर्निया के इंडियो स्थित एम्पायर पोलो क्लब में होगा। यह फेस्टिवल दो वीकेंड में आयोजित किया जाएगा। पहला वीकेंड 9 से 11 अप्रैल और दूसरा वीकेंड 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इस बार शुक्रवार को दुआ लीपा, शनिवार को टेम इम्पाला और रविवार को एसजेडए हेडलाइनर के तौर पर परफॉर्म करेंगे। तीनों कलाकार अपने अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। जहां दुआ लीपा अपने पॉप म्यूजिक से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी, वहीं टेम इम्पाला साइकेडेलिक रॉक और एसजेडए आरएंडबी म्यूजिक का रंग जमाएंगी।

2023 में भी कोचेला का हिस्सा बने थे दिलजीत

भारतीय फैंस के लिए इस बार दिलजीत दोसांझ का नाम लिस्ट में शामिल होना खास है। दिलजीत इससे पहले साल 2023 में भी कोचेला फेस्टिवल में परफॉर्म कर चुके हैं। उस समय उन्होंने पंजाबी भाषा में गाने गाकर दुनियाभर के दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह इस फेस्टिवल के मंच पर परफॉर्म करने वाले शुरुआती पंजाबी भाषा के कलाकारों में शामिल थे। अब 2027 में उनकी वापसी से एक बार फिर पंजाबी म्यूजिक को इंटरनेशनल पहचान मिलने की उम्मीद है।

मैडोना समेत ये बड़े कलाकार भी आएंगे नजर

इस बार कोचेला की लिस्ट में पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना का नाम भी शामिल है। वह शुक्रवार को डांस टेंट में परफॉर्म करेंगी। वहीं डैडी यांकी को 'इन द डेजर्ट' स्पेशल बिलिंग दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक की मशहूर जोड़ी जस्टिस भी अपने गाने 'ब्लाइंडेड बाय द लाइट्स' के साथ बंकर में डेब्यू करेगी। फेस्टिवल के पहले दिन यानी शुक्रवार को जारा लार्सन, स्टीव लैसी, जेआईएसओ, पैगी गू, केलेनी, लियोन थॉमस और जॉर्जियो मोरोडर जैसे कलाकार परफॉर्म करेंगे। वहीं शनिवार को फोएबे ब्रिज, वीजर, रोबिन, मैनेस्किन, एनसीटी, लियोन ब्रिजेस, टिएस्टो, मार्टिन गैरिक और अंडरवर्ल्ड जैसे नाम शामिल हैं। रविवार को डॉन टॉलिवर, डोम डॉला, कायगो, एम्पायर ऑफ द सन, फोर टेट, द नेबरहुड, बेकी जी, बेबीमॉन्स्टर, विक्टोरिया मोनेट और जोरजा स्मिथ अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

नील आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई।'

कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।



लोहिया अस्पताल की एनआरसी व्यवस्था देख गदगद हुई लखीमपुर खीरी से आई स्वास्थ्य विभाग की टीम, व्यवस्थाओं को दिया नंबर वन का दर्जा

● एनआरसी में भर्ती मिले 11 कुपोषित बच्चे, डॉ. विवेक सक्सेना और उनकी टीम की कार्यशैली की जमकर की सराहना

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और अस्पतालों में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लेने के लिए शनिवार को लखीमपुर खीरी से स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय का भ्रमण कर विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को परखा और मरीजों व उनके तीमारदारों से बातचीत कर शासन की ओर से संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान लोहिया अस्पताल के एनआरसी वार्ड की व्यवस्थाएं देखकर टीम के अधिकारी काफी प्रभावित नजर आए। टीम ने एनआरसी प्रभारी डॉ. विवेक सक्सेना सहित पूरे स्टाफ की कार्यशैली और व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की।

लखीमपुर खीरी से आए डिप्टी सीएमओ आरसीएच डॉ. प्रमोद वर्मा, एसीपीएम नरेश कुमार और उनकी टीम शनिवार को लोहिया अस्पताल पहुंची। टीम ने सबसे पहले अस्पताल के आपातकालीन कक्ष का निरीक्षण किया और वहां मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद टीम अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) पहुंची। यहां वार्ड प्रभारी डॉ. विवेक सक्सेना ने टीम को केंद्र की व्यवस्थाओं, भर्ती बच्चों के उपचार, खानपान और देखभाल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

टीम ने एनआरसी के विभिन्न वार्डों का भ्रमण किया और वहां भर्ती कुपोषित बच्चों के परिजनों से बातचीत कर बच्चों को मिल रहे उपचार और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एनआरसी में कुल 11 बच्चे भर्ती मिले। टीम ने वार्ड में साफ-सफाई, बच्चों की देखभाल, भोजन व्यवस्था और स्टाफ की कार्यप्रणाली को बारीकी से देखा। व्यवस्थाओं से संतुष्ट होकर अधिकारियों ने एनआरसी प्रभारी डॉ. विवेक सक्सेना और उनके स्टाफ की प्रशंसा की।

लखीमपुर खीरी से आई टीम ने कहा कि उन्होंने इससे पहले भी कई अस्पतालों का निरीक्षण किया है, लेकिन लोहिया अस्पताल के एनआरसी वार्ड में व्यवस्थाएं काफी बेहतर देखने को मिलीं। टीम ने यहां की व्यवस्थाओं को नंबर वन बताते हुए कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की। इस दौरान डाइटिशियन संगीता शुक्ला, कुक दिव्या सक्सेना और स्टाफ नर्स खुशबू की भी विशेष रूप से तारीफ की गई। टीम के अधिकारियों ने कहा कि कुपोषित बच्चों के उपचार के साथ उनकी उचित देखभाल और पोषण का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, जिसमें एनआरसी का स्टाफ सराहनीय कार्य कर रहा है।

निरीक्षण के दौरान लोहिया अस्पताल के सीएमएस डॉ. जगमोहन शर्मा और महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. धीर सिंह मौजूद रहे। वहीं एसीएमओ डॉ. आरसी माथुर भी लोहिया अस्पताल पहुंचे। इसके बाद टीम महिला अस्पताल पहुंची, जहां विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) वार्ड का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने वहां नवजात बच्चों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं और उपचार व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही महिला अस्पताल के अन्य विभागों का भी भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

22 नवंबर को फर्रुखाबाद में बजेगा हवाई हमले का सायरन, होगा ब्लैकआउट

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जनपद में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए 22 नवंबर को नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से एयर रेड एवं ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। शासन के निर्देश पर होने वाली इस जनपद स्तरीय मॉक ड्रिल में हवाई हमले की चेतावनी, सायरन, ब्लैकआउट और राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक अभ्यास किया जाएगा।

यह अभ्यास रविवार को शाम 6 बजे कार्यालय अग्निशमन केंद्र, फतेहगढ़ में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य हवाई हमले जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को सतर्क करना और विभिन्न सुरक्षा एवं राहत एजेंसियों की तत्परता तथा आपसी समन्वय को परखना है।

मॉक ड्रिल की शुरुआत हवाई हमले की चेतावनी के रूप में दो मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में सायरन बजाकर की जाएगी। सायरन बजते ही अग्निशमन केंद्र के आसपास के निर्धारित क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट का अभ्यास कराया जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों के सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की प्रक्रिया का प्रदर्शन होगा। खतरा समाप्त होने का संकेत देने के लिए दोबारा दो मिनट तक ऑल क्लियर सायरन बजाया जाएगा।

मॉक एक्सरसाइज में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक अग्निशमन यंत्रों से छोटी आग बुझाने का अभ्यास करेंगे, जबकि अग्निशमन विभाग फायर टेंडर के माध्यम से बड़ी आग पर काबू पाने की कार्रवाई का प्रदर्शन करेगा। इसके अलावा घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने, क्षतिग्रस्त इमारतों के मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा गंभीर घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की जाएगी।

जिला प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि 22 नवंबर को मॉक ड्रिल के दौरान बजने वाले सायरन को वास्तविक हवाई हमले की चेतावनी न समझें। यह केवल सुरक्षा तैयारियों का परीक्षण है। नागरिक किसी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और न ही अनावश्यक भयभीत हों। प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए इस अभ्यास में सहयोग करें।

मॉक ड्रिल के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासन, अग्निशमन विभाग, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और चिकित्सा सेवाओं के बीच समन्वय तथा त्वरित कार्रवाई की क्षमता का आकलन किया जाएगा।

प्रवीण कटियार बने पूर्वोत्तर रेलवे की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य

● सांसद मुकेश राजपूत की संस्तुति पर मिला प्रतिनिधित्व
● 31 अगस्त 2028 तक निभाएंगे जिम्मेदारी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



कटियार कोल्ड स्टोर मालिक प्रवीण कुमार कटियार को पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) का सदस्य नामित किया गया है। रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, इज्जतनगर की ओर से 11 नवंबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से उनके नामांकन की आधिकारिक सूचना दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सांसद मुकेश राजपूत द्वारा 10 अगस्त 2026 को भेजे गए नामांकन पत्र के आधार पर प्रवीण कुमार कटियार को समिति में प्रतिनिधित्व का अवसर मिला है। उनका नामांकन 1 सितंबर 2026 से 31 अगस्त 2028 तक की दो वर्षीय अवधि के लिए किया गया है। यह जिम्मेदारी रेलवे मंत्रालय द्वारा समिति भंग किए जाने तक भी प्रभावी रहेगी।

मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति रेलवे यात्रियों की सुविधाओं, समस्याओं और रेल सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर सुझाव एवं परामर्श देने वाली महत्वपूर्ण समिति है। इसके माध्यम से यात्रियों की अपेक्षाओं और समस्याओं को रेलवे प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिलता है।

प्रवीण कुमार कटियार गुंजन बिहार कालोनी के निवासी हैं। उनके नामांकन की सूचना मिलने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

ड्यूटी पर जा रहे राजेपुर थाने के मुंशी को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, पैर के ऊपर से निकला पहिया, हालत गंभीर

● लोहिया अस्पताल में कराया गया भर्ती, प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत में कानपुर किया रेफर

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



थाना राजेपुर में तैनात एक पुलिसकर्मी शनिवार को सड़क हादसे का शिकार हो गया। बाइक से ड्यूटी पर जा रहे मुंशी को चाचूपुर मोड़ के निकट तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और ट्रक का पहिया उनके पैर के ऊपर से निकल गया। हादसे में उनका पैर बुरी तरह कुचलकर क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी को उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई।

जानकारी के अनुसार कानपुर जनपद के ककवन क्षेत्र के मौजमपुर निवासी वीरेंद्र पुत्र महावीर पिछले करीब आठ महीने से थाना राजेपुर में मुंशी के पद पर तैनात हैं। वह अपनी पत्नी के साथ थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के कुइयांबूट में किराये के मकान में रहते हैं। शनिवार को वीरेंद्र रोजाना की तरह बाइक से थाना राजेपुर में ड्यूटी करने जा रहे थे। जैसे ही वह चाचूपुर मोड़ के निकट पहुंचे, तभी एक ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वीरेंद्र बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान ट्रक का पहिया उनके पैर के ऊपर से निकल गया, जिससे उनका पैर बुरी तरह कुचल गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल वीरेंद्र को तत्काल उपचार के लिए लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. ऋषिकांत वर्मा एवं डॉ. प्रदीप राजपूत ने उनका उपचार किया। पैर की हालत बेहद गंभीर होने और चोट अधिक होने के चलते चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने पर थाना मऊदरवाजा के थानाध्यक्ष अजब सिंह भी लोहिया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल मुंशी का हालचाल जाना और चिकित्सकों से उनके उपचार के संबंध में जानकारी ली। ड्यूटी पर जा रहे पुलिसकर्मी के साथ हुए इस हादसे से पुलिस विभाग में चिंता का माहौल बना हुआ है।

31 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। मऊदरवाजा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से 31 पव्वे देशी शराब बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मनोज उर्फ बबलू पुत्र लल्लन निवासी गुडिला टिलिया अहमदगंज, थाना मऊदरवाजा, जनपद फर्रुखाबाद के रूप में हुई है। उसके कब्जे से बब्बर शेर मिरिंडा ब्रांड के 31 अदद देशी शराब के पव्वे बरामद किए गए। इस मामले में उपनिरीक्षक कासिफ हनीफ की तहरीर पर थाना मऊदरवाजा में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

व्यापारी नेता के ड्राइवर का संदिग्ध परिस्थितियों में खाई में मिला शव, परिवार में मचा कोहराम

● नाला बघार पुल के निकट पड़ा मिला शव, पास में ही मिली बाइक; पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पोस्टमार्टम को भेजा गया शव

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

व्यापारी नेता एवं सर्राफ के यहां कई वर्षों से ड्राइवर की नौकरी कर रहे युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक का शव गांव जाने वाले मार्ग पर नाला बघार पुल के निकट खाई में पड़ा मिला। घटनास्थल के पास ही उसकी बाइक भी पड़ी हुई थी। सुबह शव मिलने की जानकारी होते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और परिवार में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम गुतासी निवासी लक्ष्मी नारायण का 35 वर्षीय पुत्र रिषभ शाक्य नगर के व्यापारी नेता एवं सर्राफ अनुपम रस्तोगी के यहां पिछले कई वर्षों से ड्राइवर के पद पर कार्यरत था। बताया गया कि रिषभ बीती रात अपनी रिश्तेदारी में आयोजित बारात में शामिल होने गया था। वहां से वह देर रात बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान नाला बघार पुल के निकट उसका शव खाई में पड़ा मिला। घटनास्थल के पास ही उसकी बाइक भी बरामद हुई।

सुबह ग्रामीणों ने खाई में युवक का शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही थाना मऊदरवाजा के प्रभारी निरीक्षक राम सहाय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

प्रारंभिक अनुमान लगाया जा रहा है कि रिषभ रात में बारात से लौटते समय तेज रफ्तार में बाइक चला रहा होगा। इसी दौरान नाला बघार पुल के निकट बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आशंका है कि रात में किसी की नजर न पड़ने और समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की अचानक मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है कि युवक की मौत सड़क दुर्घटना में हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

नवोदय प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को, 9 केंद्रों पर 2457 परीक्षार्थी होंगे शामिल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा छह में प्रवेश के लिए 28 नवंबर को जिले में प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए जनपद में नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 2,457 छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

परीक्षा के लिए कायमगंज स्थित सीपी विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में 397, राजकीय इंटर कॉलेज फतेहगढ़ में 233, सूर्यकुमारी इंटर कॉलेज गंझना में 305 तथा महीयसी महादेवी वर्मा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज फतेहगढ़ में 234 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

इसी तरह म्यूनिसिपल इंटर कॉलेज फतेहगढ़ में 364, भारतीय इंटर कॉलेज मोहम्मदाबाद में 288, शक्ति सैनिक इंटर कॉलेज मौधा में 214, आरपी इंटर कॉलेज कमालगंज में 216 और फिरोज गांधी जनता इंटर कॉलेज कमालगंज में 206 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य ने परीक्षा आयोजन के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र भेजकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बंदरों के हमले से चबूतरे से गिरी महिला, चार दांत टूटे

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



अमृतपुर थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गहलवार गांव में बंदरों के हमले से एक महिला घायल हो गई। चबूतरे पर बैठी महिला पर अचानक बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। बचने के प्रयास में वह संतुलन खो बैठी और नीचे गिर गई। हादसे में उसके सिर में चोट आई और चार दांत टूट गए।

गांव निवासी नेहा उर्फ रानी पत्नी उदय प्रताप ने बताया कि वह घर के चबूतरे पर बैठी हुई थीं। इसी दौरान अचानक बंदरों का झुंड वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। वह संभल पातीं, इससे पहले ही बंदरों के हमले से घबराकर नीचे गिर पड़ीं।

घटना के बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद सिर में चोट और चार दांत टूटने की जानकारी दी। महिला का उपचार कराया गया।

नेहा का कहना है कि गांव में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। आए दिन बंदरों के हमले से लोग परेशान हैं और किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से बंदरों को पकड़वाने की मांग की है।

खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार जायसवाल ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने बंदरों को जल्द पकड़वाने की बात कही। वहीं महिला ने चेतावनी दी कि यदि उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह अपनी समस्या लेकर मुख्यमंत्री के दरबार पहुंचेंगी। उन्होंने प्रशासन से जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

पांच लोगों ने एकराय होकर युवक के साथ की मारपीट

फर्रुखाबाद। थाना शमसाबाद क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि पांच लोगों ने एकराय होकर युवक के साथ गाली-गलौज की और लात-घूंसों तथा चाकू से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपियों द्वारा पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मुरैठी निवासी अंजेश कुमार पुत्र राधेश्याम ने थाना शमसाबाद पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि मोहित पुत्र जोगराज निवासी मीरा दरवाजा, कस्बा एवं थाना शमसाबाद तथा उसके साथ चार अन्य लोगों ने एकराय होकर उनके साथ गाली-गलौज की।

सात नामजद सहित अज्ञात लोगों पर मारपीट का आरोप

फर्रुखाबाद। जनपद फर्रुखाबाद के थाना शमसाबाद क्षेत्र में मारपीट का एक मामला सामने आया है। आरोप है कि सात नामजद आरोपियों सहित कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने एकराय होकर युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और हथौड़े से मारपीट की। इसके साथ ही पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नगला सेठ निवासी आकाश पुत्र जितेन्द्र सिंह ने थाना शमसाबाद पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि अंकुर पुत्र बचान सिंह निवासी अज्ञात सहित सात नामजद व्यक्ति और कुछ अज्ञात लोग एकराय होकर उनके साथ गाली-गलौज करने लगे।

शादी समारोह में शामिल होने आई महिला को बाइक ने मारी टक्कर, घायल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

नवाबगंज कस्बे के मंझना मार्ग पर शुक्रवार शाम सड़क पार कर रही एक महिला को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला सड़क पर दूर जा गिरी और घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, शमसाबाद थाना क्षेत्र के रोशनाबाद गांव निवासी रघुनंदन की पत्नी अपने परिवार में बुआ की नातिन की शादी में शामिल होने नवाबगंज आई थीं। नगर के मंझना मार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में शादी समारोह चल रहा था। शुक्रवार शाम करीब सात बजे बारात भी गेस्ट हाउस पहुंच चुकी थी।

इसी दौरान महिला गेस्ट हाउस जाने के लिए सड़क पार कर रही थीं। तभी मंझना मार्ग की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गईं।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने महिला को संभाला और एंबुलेंस की मदद से नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां फार्मासिस्ट आलोक कुमार ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घटना के चलते कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

गाली गलौज के बाद मारपीट और जान से मारने की धमकी, केस दर्ज

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गांव रोहिल्ला निवासी सुनील कुमार पुत्र शिवराज सिंह ने इंदिरा नगर निवासी मोहम्मद आसिफ खां पुत्र अमीनउल्ला पर गाली-गलौज करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित सुनील कुमार की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद आसिफ खां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लापता युवक का आलू के खेत में पेड़ से लटका मिला शव, मचा हड़कंप

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के जौरा गांव के पास शुक्रवार शाम एक लापता युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने जौरा निवासी प्रवीन के आलू के खेत में चांदनी के पेड़ पर शव लटका देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान कंपिल थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर राजकुमार निवासी 48 वर्षीय अशोक कुमार कश्यप के रूप में हुई।

परिजनों के मुताबिक, अशोक कुमार गुरुवार रात से घर से लापता थे। उनके भाई अखिलेश ने पुलिस को बताया कि गुरुवार को अशोक का पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद रात करीब 11 बजे वह घर से निकल गए थे। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

शुक्रवार शाम खेत में शव मिलने की सूचना पर मृतक की पत्नी कमला देवी, उनके दो बेटे और बेटियां घटनास्थल पर पहुंचे। शव की पहचान होते ही परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की जानकारी मिलते ही कायमगंज कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला और मंडी चौकी प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद कंपिल थाने की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने के साथ ही फॉरेंसिक टीम को बुलाया।

मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और जांच के लिए आवश्यक नमूने एकत्र किए। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर गांव में चर्चा का माहौल है।

जहरखुरानी का एक और युवक हुआ शिकार, कालिंदी एक्सप्रेस में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया

यूथ इंडिया, कमालगंज



ट्रेनों और बसों में जहरखुरानी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बार फिर जहरखुरानों ने एक युवक को अपना शिकार बना लिया। भिवानी से प्रयागराज जा रही 14118 कालिंदी एक्सप्रेस में सफर कर रहे युवक को किसी ने कोल्ड ड्रिंक में कुछ मिलाकर पिला दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। युवक कमालगंज रेलवे स्टेशन पर बेहोश हालत में मिला।

हरदोई जिले के रहने वाले राजीव पुत्र हरिश्चन्द्र कालिंदी एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे। ट्रेन भिवानी से प्रयागराज जा रही थी। रास्ते में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। कुछ ही देर में युवक बेहोश हो गया।

कमालगंज स्टेशन पर युवक की हालत देखकर जीआरपी सिपाही देवेंद्र जादौन ने तत्परता दिखाते हुए उसे ट्रेन से उतारा। इसके बाद 108 एंबुलेंस से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमालगंज पहुंचाया गया।

अस्पताल में डॉ. विनीश माथुर ने राजीव का इलाज किया। उन्होंने बताया कि युवक को बेहोशी की हालत में लाया गया था। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। युवक के परिजनों को फोन पर घटना की सूचना दे दी गई है।

ट्रेनों और बसों में जहरखुरानी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। जहरखुरान यात्रियों से दोस्ती बढ़ाकर खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर उन्हें बेहोश कर देते हैं और उनका सामान लेकर फरार हो जाते हैं। इस तरह की घटनाओं से यात्रियों में भय का माहौल है।

ऐसे में रेलवे और पुलिस को ट्रेनों व बसों में निगरानी और गश्त बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही यात्रियों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी अनजान व्यक्ति से खाने-पीने की कोई भी चीज लेकर न खाएं-पिएं, अपने सामान पर नजर रखें और संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर तुरंत रेलवे पुलिस या सहयात्रियों को सूचना दें। थोड़ी सी सावधानी ही जहरखुरानी जैसी घटनाओं से बचा सकती है।

पारिवारिक कलह के बाद बहू ने की आत्महत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

यूथ इंडिया, कमालगंज



कमालगंज थाना क्षेत्र के नगला जोध गांव में करवाचौथ के दिन हुई मंगला (20) की मौत के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को उसके पति अवनीश को गिरफ्तार कर लिया।

नगला जोध निवासी अवनीश की शादी करीब डेढ़ साल पहले मंगला से हुई थी। बताया गया कि 29 अक्टूबर को पारिवारिक कलह के कारण दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद मंगला कमरे में चली गई। कुछ देर बाद उसका शव कमरे में पंखे के कुंडे से साड़ी के सहारे लटका मिला।

सूचना मिलने पर कमालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। सीओ अमृतपुर राजेश द्विवेदी ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की थी।

थाना अध्यक्ष दीपक त्रिवेदी ने बताया कि मायके पक्ष की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। इस मामले में फरार नामजद पति अवनीश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।